RNI. NO. RAJHIN/2021/82156

डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -206 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, मंगलवार 07 अक्टूबर, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

एसएमएस अस्पताल अग्निकांड

अधीक्षक-प्रभारी हटाए गए, इंजीनियर निलंबित, सेफ्टी एजेंसी पर एफआईआर के निर्देश, मुआवजा घोषणा

आठ लोगों की मौत, 17 घंटे बाद पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री, कहा- आरोपियों पर होगी कार्रवाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग की घटना के बाद राज्य सरकार ने रविवार देर रात और सोमवार को कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्रवाइयां कीं। हादसे में आठ मरीजों की मौत के बाद सरकार ने तत्काल जिम्मेदारी तय करते हुए अस्पताल प्रशासन पर कड़ा कदम उठाया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आदेशों के तहत एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी और ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी डॉ. अनुराग धाकड़ को उनके पद से हटा दिया गया है। वहीं, अधिशाषी अभियंता मुकेश सिंघल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही फायर सेफ्टी सिस्टम की जिम्मेदारी संभाल रही एसके इलेक्ट्रिक कंपनी की निविदा रद्द कर दी गई है और कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों को 10-10 लाख का मुआवजा देने की घोषणा की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मध्यरात्रि निरीक्षण

घटना की सूचना पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार देर रात करीब 3 बजे ही एसएमएस अस्पताल पहुंचे और ट्रॉमा सेंटर की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। मुख्यमंत्री के इन निर्देशों के बाद ही सोमवार को स्वास्थ्य विभाग ने अधीक्षक, प्रभारी और अभियंता पर यह कार्रवाई सुनिश्चित की। राज्य सरकार ने अब डॉ. मृणाल जोशी को एसएमएस अस्पताल का नया अधीक्षक नियुक्त किया है, जबकि ट्रॉमा सेंटर की जिम्मेदारी डॉ. बी.एल. यादव को सौंपी गई है।

स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर का निरीक्षण

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर सोमवार शाम घटना के 17-18 घंटे बाद ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। उन्होंने क्षतिग्रस्त वार्ड का निरीक्षण किया और बचाव कार्यों तथा जांच की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी ली। मंत्री खींवसर ने मीडिया से कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है। जिन परिवारों ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहन करने की शक्ति दें। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया कि क्षतिग्रस्त आईसीयू को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए और तब तक मरीजों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जांच समिति का गठन और कठोर कार्रवाई का आश्वासन

राज्य सरकार ने घटना की पूरी जांच के लिए चिकित्सा शिक्षा आयुक्त की अध्यक्षता में छह सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित की है। समिति को निर्देश दिए गए हैं कि वे घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करें। मंत्री खींवसर ने स्पष्ट कहा कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। जांच रिपोर्ट में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा शीघ्र देगी, ताकि वे राहत पा सकें।

सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा और भविष्य की योजना

मंत्री खींवसर ने बताया कि राज्य सरकार पहले ही अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के प्रयासों में जुटी है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जून माह में ही सीआईएसएफ को रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए थे, ताकि फायर सेफ्टी और सुरक्षा प्रबंधन की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किया जा सके। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद पहले चरण में एसएमएस अस्पताल और इसके संबद्ध अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ की जाएगी, फिर पूरे प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा।

राजस्थान के अस्पतालों में आग की पुरानी घटनाएं फिर दिला गईं दर्दनाक यादें

सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग की घटना ने एक बार फिर राजस्थान के स्वास्थ्य संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राज्य में इससे पहले भी कई बार अस्पतालों में आग लगने की दर्दनाक घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें निर्दोष नवजातों की जान गई। 31 दिसंबर 2019 को अलवर के गीतानंद अस्पताल में नवजात वार्ड में शॉर्ट-सर्किट के कारण आग लग गई थी, जिसमें एक नवजात की दर्दनाक मौत हो गई थी। इससे पहले 13 और 14 जनवरी 2013 को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में नवजातों के लिए बने आईसीयू में आग भड़क उठी थी। उस हादसे में कई नवजात झुलस गए थे और गंभीर रूप से घायल हुए थे। इसी तरह 29 जुलाई 2019 को जयपुर के जेके लोन अस्पताल के आईसीयू में शॉर्ट-सर्किट से धुआं फैल गया था। धुएं के कारण एक नवजात की दम घुटने से मौत हो गई थी। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया था कि फायर सेफ्टी सिस्टम की नियमित जांच और रखरखाव में गंभीर लापरवाही की जाती रही है। अब एसएमएस अस्पताल की आग ने एक बार फिर उसी चूक की भयावह पुनरावृत्ति कर दी है।

बिहार चुनाव 2025: पलायन, एसआईआर बनाम नकद तोहफे की जंग के बीच निकलेगा सत्ता का रास्ता, राजनीतिक सरगर्मियां तेज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। पिछले कई चुनावों की तरह इस बार भी मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और राजद की अगुवाई वाले विपक्षी महागठबंधन के बीच माना जा रहा। चुनाव तारीखों की घोषणा के साथ पक्ष-विपक्ष दोनों की राजनीतिक सरगर्मियां भी तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि इस बार सत्ता की जंग में पलायन, एसआईआर और नकद तोहफों की बारिश जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विपक्षी महागठबंधन पलायन, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के साथ-साथ मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ी को बड़ा मुद्दा बनाकर सत्ता हासिल करने की उम्मीद कर रहा है। वहीं, सत्तारूढ़ गठबंधन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन, कल्याणकारी योजनाओं के तहत नकद तोहफों के सहारे सत्ता विरोधी लहर से उबरने की रणनीति बनाई है। नकद तोहफे के जरिए राजग की कोशिश आधी आबादी के साथ-साथ गरीब वर्ग को भी साधे रखने की है। चुनाव से पहले ही नीतीश सरकार ने नकद तोहफे की भरमार कर दी थी। पहले इसे आधी आबादी पर केंद्रित रखा जाता था लेकिन इस बार पूरी आबादी को साधने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई।

पेंशन बढ़ाई, बेरोजगार युवाओं को दिया भत्ता

इसके अलावा सवा करोड़ लोगों के सामाजिक सुरक्षा योजना पेंशन की राशि 400 से बढ़ाकर 1100 कर दी। दो लाख गृह वाहिणी के प्रतिदिन के भत्ते में 377 रुपये के अलावा रसोइयों, विकास मित्र, शिक्षा सेवकों के भत्ते में बढ़ोत्तरी की। सभी परिवारों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली का तोहफा दिया। स्नातक बेरोजगार युवकों को दो साल तक हर महीने 1 हजार रुपये, नए पंजीकृत वकीलों को हर महीने पांच हजार, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना को ब्याज मुक्त, आर्थिक रूप से कमजोर कलाकारों के लिए हर महीने तीन हजार रुपये की पेंशन और सभी तरह की छात्रवृत्तियों में बढ़ोत्तरी का तोहफा भी दिया।

एम-वाई के दायरे से बाहर आने की कोशिश में महागठबंधन

राजद की अगुवाई वाला विपक्षी महागठबंधन बीते चुनाव में जीत के मुहाने तक पहुंच गया था। चुनाव में उसे सत्तारूढ़ राजग के मुकाबले महज 11150 (0.3 फीसदी) वोट कम मिले थे। इस बार राजद की कोशिश है कि खुद को एम-वाई (यादव-मुस्लिम) के दायरे तक ही सीमित न रहने थे। बल्कि इससे बाहर भी विस्तार करे।

बांग्लादेश चुनाव पर भारत का रुख, मिस्री बोले- निष्पक्ष-समावेशी चुनाव के समर्थन में भारत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में आम चुनाव होने है। इस बात पर बांग्लादेश के साथ-साथ आसपास के कई देशों में चर्चा तेज है। ऐसे में भारत ने भी एक अच्छे पड़ोसी होने के नाते इस चुनाव को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। भारत ने साफ कहा है कि वह बांग्लादेश में जल्द से जल्द मुक्त, निष्पक्ष और सभी पक्षों को शामिल करने वाले चुनाव कराने के पक्ष में है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को यह भी स्पष्ट किया कि भारत बांग्लादेश की जनता द्वारा चुनी गई किसी भी सरकार के साथ काम करने को तैयार है। बांग्लादेश से आए पत्रकारों के एक दल से बातचीत के दौरान मिस्री ने कहा कि हम बांग्लादेश में होने वाले चुनावों को लेकर आश्वस्त हैं और उम्मीद करते हैं कि ये जल्द ही होंगे। हम उस किसी भी सरकार के साथ काम करेंगे, जिसे बांग्लादेश की जनता चुनेगी। इसके साथ ही जब उनसे भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय व्यापार में आई रुकावट पर सवाल किया गया, तो मिस्री ने कहा कि यह बांग्लादेश की आंतरिक नीतियों के कारण हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत गंगा जल संधि को फिर से नवीनीकरण करने और तीस्ता नदी जल बंटवारे जैसे सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पहले ही अगले साल फरवरी में संसदीय चुनाव की घोषणा कर चुकी है। इस पर विदेश सचिव ने कहा कि भारत को खुशी है कि बांग्लादेश खुद चुनावों को लेकर समयसीमा घोषित कर चुका है। गौरतलब है कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पिछले साल अगस्त में भारत में शरण ले चुकी हैं, जब ढाका में सरकार विरोधी भारी प्रदर्शन हुआ था। इसके बाद भारत-बांग्लादेश रिश्तों में थोड़ी खटास आई। जब हसीना को भारत से वापस लाने (प्रत्यर्पण) की मांग पर मिस्री से सवाल किया गया, तो उन्होंने इसे कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया बताया। उन्होंने कहा कि यह एक कानूनी मुद्दा है, जिस पर दोनों देशों को मिलकर विचार करना होगा। हम इसे देख रहे हैं और बांग्लादेश सरकार से इस पर बातचीत करेंगे।

मुख्य न्यायाधीश पर हुए हमले से हर भारतीय नाराज, पीएम मोदी ने सीजेआई गवई से फोन पर की बात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई पर सोमवार को हुए हमले की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निंदा की है। पीएम मोदी ने इस घटना के सामने आने के बाद सीजेआई गवई से फोन पर बात की है। इससे पहले लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कई अन्य विपक्षी के नेताओं ने इस कृत्य की आलोचना की है। पीएम मोदी ने लिखा, "भारत के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति बीआर गवई जी से बात की। आज सुबह सुप्रीम कोर्ट परिसर में उन पर हुए हमले ने हर भारतीय को क्षुब्ध कर दिया है। हमारे समाज में ऐसे निंदनीय कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है। यह अत्यंत निंदनीय है। ऐसी स्थिति में न्यायमूर्ति गवई द्वारा प्रदर्शित धैर्य की मैं सराहना करता हूं। यह न्याय के मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और हमारे संविधान की भावना को मज़बूत करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।" उधर, बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने वकील राकेश किशोर के अदालतों में प्रैक्टिस करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। राकेश किशोर ने सोमवार को कथित तौर भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति बीआर गवई पर जूता उछालने की कोशिश की थी। यह घटना उस समय हुई, जब सीजेआई गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ किसी मामले में सुनवाई कर रही थी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान वकील राकेश किशोर ने सीजेआई गवई पर जूता उछालने की कोशिश की। हालांकि, यह जूता उन तक नहीं पहुंचा। वकील ने जब डाइस की ओर बढ़ने की कोशिश की तो सुरक्षाकर्मी तुरंत हरकत में आ गए और उन्हें कोर्ट रूम से बाहर ले गए। जब वकील को ले जाया जा रहा था तो उसे कहते हुए सुना गया कि सनातन का अपमान नहीं सहेंगे।

रक्षा मंत्री बोले- बढ़ रही देश की आर्थिक ताकत, जल्द बनेगी दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को पूर्व विदेश राज्यमंत्री एमजे अकबर की किताब 'आफ्टर मी, कैओस एस्ट्रेलॉजी इन द मुगल एम्पायर' के विमोचन कार्यक्रम के दौरान भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत और राजनीतिक स्थिरता पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत इस समय दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही यह तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर बढ़ रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा, वर्तमान में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत तेजी से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में राजनीतिक स्थिरता हैं और उसकी स्थिति दक्षिण एशिया के कुछ अन्य देशों की अस्थिरता से बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, अगर आप कुछ दक्षिण एशियाई देशों को देखें, तो आपको समझ में आएगा कि भारत कितना स्थिर है। पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति को देखते हुए, उसका भविष्य क्या होगा यह केवल भगवान ही जानता है। मैं इसके भविष्य के बारे में कुछ नहीं कहना चाहता। इस कार्यक्रम में मौजूद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भी किताब की सराहना की और कहा कि यह इतिहास और संस्कृति की एक अनोखी झलक देती है। उन्होंने कहा, यह किताब मूल रूप से यह समझने में मदद करती है कि मुगल काल में चीजों को कैसे देखा और समझा जाता था। उन्होंने एमजे अकबर की शोध आधारित लेखन शैली की प्रशंसा की। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एमजे अकबर की लेखनी की सराहना करते हुए उन्हें भारतीय साहित्य में एक खास व्यक्तित्व बताया।

भगतजी परिवार की जहाजपुर तीर्थ यात्राः परिवार, भक्ति और एकता का अनुपम संगम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

समाजसेवा और धार्मिकता में अग्रणी फर्म कीर्ति प्रसाद शिखरचंद जैन भगतजी के सुपुत्र महिपाल जैन एवं धर्मपाल जैन के परिवारजनों ने सामूहिक रूप से मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, जहाजपुर (राजस्थान) की पावन यात्रा का शुभारंभ किया। इस पावन तीर्थ यात्रा में परिवार के सभी सदस्य सुनील जैन, अमित जैन,विकास जैन,प्रवेश जैन,पीयूष जैन सहित उनके पुत्र-पुत्रवधू,बहनें-जीजा, बेटियां एवं परिवारजन उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए।जहाजपुर वही पवित्र भूमि है जहाँ छुल्लिका श्री संस्कृति भूषण माताजी (दीक्षा से पूर्व सरोज बाला जैन, इसी परिवार की प्रेरणास्रोत सदस्य) ने संसारिक जीवन का त्याग कर संयम,साधना और आत्मकल्याण का मार्ग अपनाया था। उनके द्वारा प्रदर्शित इस त्याग और तपस्या की परंपरा को आज परिवार ने पुनः स्मरण कर अपने आचरण में जीवंत किया। पूरे मार्ग में भजन,आरती,जयकारों और धार्मिक उल्लास का वातावरण गूंजता रहा। सभी सदस्यों ने एक स्वर में प्रभु से प्रार्थना की कि परिवार में सदैव स्नेह,सेवा और श्रद्धा की भावना बनी रहे तथा आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी के आशीर्वाद से भगतजी परिवार सदैव जैन धर्म के सिद्धांतों के अनुरूप अग्रसर रहे। परिवार जो साथ चले,वही सच्चा तीर्थ बने - इस भावना को आत्मसात करते हुए भगतजी परिवार ने सामूहिक भक्ति और संस्कार का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया जो न केवल उनके लिए बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी बन गया।

लूट के 12 घंटे बाद बदमाश गिरफ्तार, सस्ते दामों पर दूसरे राज्यों में बेचते थे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

जयपुर में मोबाइल लूट की वारदात करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस घटना के 12 घंटे में बदमाशों की पहचान कर लुटेरों को पकड़ा है। बदमाशों से मोबाइल भी बरामद किया गया है। लूटे मोबाइल को सस्ते दामों पर अन्य राज्य या जिले में बेच देते थे। वारदात गलता गेट थाना इलाके की है। डीसीपी नॉर्थ करण शर्मा ने बताया- 5 अक्टूबर को रईस नाम के व्यक्ति ने एक रिपोर्ट थाने में दी थी। रिपोर्ट में बताया था कि वह फेरी लगाकर सामान बेचने का काम करता हैं। 4 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे वह चंद्रशेखर आजाद कॉलोनी पुलिया के पास से सामान बेचकर निकल रहा था। तब पीछे से एक बाइक पर दो लड़के आए और मेरे हाथ से झपट्टा मारकर मेरा मोबाइल लेकर फरार हो गए। मैंने काफी दूर तक उनका पीछा किया लेकिन वह तेजी से बाइक भगाकर ले गए। पुलिस टीम ने शिकायत पर एफआईआर दर्ज की। वहीं वारदात करने वाले बदमाशों की तलाश के लिए टीम गठित की। मामले की जांच के लिए धर्म सिंह पुलिस निरीक्षक गलता गेट जयपुर उत्तर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने 12 घंटे में बदमाशों की पहचान कर नोइद (18) पुत्र मुकेश निवासी आसिया मस्जिद एमए पब्लिक स्कूल के सामने फकीरो की बडी डूंगरी थाना ब्रह्मपुरी जयपुर और सोनू कुमार महावर (27) पुत्र नंद किशोर महावर निवासी अर्जुन कॉलोनी फकीरो की बडी डूंगरी आमेर रोड थाना ब्रह्मपुरी जयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपियों से लूटे कई मोबाइल बरामद किए गए।

जीआरपी जयपुर ने 14 लाख के महंगे मोबाइल बरामद किए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

जयपुर जीआरपी थाना पुलिस ने देश के कई राज्यों में अभियान चलाते हुए चोरी के 35 मोबाइल फोन बरामद किए। टीमों ने बिहार, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, दिल्ली और हरियाणा तक जाकर बरामदगी की। इन मोबाइल की कीमत करीब 14 लाख रुपए बताई गई है। जयपुर जीआरपी थाना टीम ने 15 दिन का विशेष अभियान चलाकर यह सफलता हासिल की। टीम ने सीईआईआर पोर्टल और तकनीकी सहायता से यह मोबाइल बरामद किए। इन बरामद मोबाइल में एप्पल, सैमसंग, वनप्लस, वीवो आइि बड़ी कंपनियों के महंगे फोन शामिल हैं। पुलिस ने सोमवार को सभी मोबाइल उनके असली मालिकों को दिए तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। जीआरपी डीएसपी नरेंद्र सिंह (आरपीएस) ने बताया- जयपुर जीआरपी थाना की टीम ने 20 सितंबर से यह अभियान शुरू किया। अभियान में सीईआईआर पोर्टल और तकनीकी साधनों की मदद से देशभर में चोरी हुए मोबाइल का पता लगाया। यह अभियान एडीजी रेलवे भूपेन्द्र साहू, आईजी राघवेन्द्र सुहास और एसपी नरेंद्र सिंह के निर्देशन में चलाया गया। एएसपी नरेश कुमार, वृत्ताधिकारी नरेंद्र सिंह और थानाधिकारी अरुण चौधरी के नेतृत्व में 6 विशेष टीमें गठित कर कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि बरामद मोबाइल फोन उनके मालिकों को दिए गए।

खांसी सिरप की गुणवत्ता प्रकरण पर मुख्य सचिव की बैठक

चिकित्सकीय सलाह और निर्धारित खुराक के अनुसार ही दवा लेने के लिए आमजन को करें जागरूक- मुख्य सचिव

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सोमवार को शासन सचिवालय में खांसी सिरप की गुणवत्ता प्रकरण के संबंध में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में खांसी की दवा के वितरण और उपयोग पर सख्त निगरानी रखी जाये और अमानक पाई जाने पर दवा निर्माताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाये। उन्होंने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी लापरवाही की स्थिति में जिम्मेदारी तय की जाएगी। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार का प्रमुख उद्देश्य नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि आमजन को केवल चिकित्सक की सलाह और निर्धारित खुराक के अनुसार ही दवा लेने के लिए जागरूक किया जाए। उन्होंने प्रदेश में चिकित्सक, फार्मासिस्ट और स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा दवा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाना सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये। पंत ने विशेष रूप से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए संभावित हानिकारक दवाओं पर सतर्क चेतावनी अंकित

करने के निर्देश दिएं। साथ ही डोर-टू-डोर सर्वे और आईईसी गतिविधियों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान तेज करने के निर्देश दिये ताकि लोग बिना चिकित्सकीय परामर्श दवाइयों का सेवन न करें। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बैठक में बताया खांसी की दवा की गुणवत्ता का प्रकरण सामने आते ही विभाग द्वारा इस दवा के सभी बैचों के उपयोग एवं वितरण पर रोक लगा दी थी। साथ ही दवाओं के उपयोग को लेकर एडवाइजरी जारी कर व्यापक स्तर पर जागरूकता के लिए कदम भी उठाए जा रहे हैं। दवायां लिखने एवं उपयोग को लेकर चिकित्सक, फार्मासिस्ट एवं आमजन की वृहद स्तर पर काउंसलिंग की जा रही है। खांसी की सीरप के उपयोग के स्थान पर अन्य वैकल्पिक उपायों से उपचार पर जोर दिया जा रहा है। राठौड़ ने बताया कि मौसमी बीमारियों के दृष्टिगत प्रदेश में सीएचओ, एएनएम एवं आशा के माध्यम से डोर-टू-डोर सर्वे किया जा रहा है। इस सर्वे के दौरान खांसी, जुकाम एवं बुखार के लक्षण वाले रोगियों को चिन्हित करने के साथ ही आमजन को आईईसी गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है कि वे किसी भी तरह की बीमारी के मामले में घर पर रखी किसी दवा का उपयोग नहीं करें। नजदीकी चिकित्सा संस्थान जाकर चिकित्सक से परामर्श लें एवं चिकित्सकीय सलाह के अनुसार ही दवाइयों का सेवन करें। विशेषरूप से बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को बिना चिकित्सक के परामर्श के कोई दवा नहीं दें। घर में रखी दवाओं को बच्चों की पहुंच से दूर रखें। उन्होंने बताया कि दवा के उपयोग, बच्चों में सामने आ रहे लक्षणों एवं विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जांच करने के लिए तकनीकी समिति भी गठित कर दी है। यह समिति बच्चों में सामने आ रहे लक्षणों, उन्हें दिए जा रहे उपचार सहित विभिन्न पक्षों पर जांच एवं अनुसंधान कर रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के नामी शिशु रोग विशेषज्ञों एवं अन्य विशेषज्ञों से भी इस प्रकरण को लेकर चर्चा की जा रही है। कई विशेषज्ञों ने अवगत भी कराया है कि इस मौसम में बच्चों में कई बार दिमागी बुखार, निमोनिया, सांस में तकलीफ जैसे मामले सामने आते हैं, जिनसे बच्चों की मौत हो जाती है। हमारा प्रयास है कि बच्चों की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं हो और बचाव के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जा सकें। विगत दिनों भरतपुर, सीकर एवं अन्य स्थानों पर मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना में आपूर्ति की जाने वाली औषधि की गुणवत्ता का मामला सामने आया है। शिकायत प्राप्त होने पर विभाग ने तत्काल प्रभाव से शिकायती बैचों के वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी। साथ ही, इन बैचों के वैधानिक नमूने लेकर गुणवत्ता जांच के लिए राजकीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भिजवाया गया। तीनों ही प्रकरणों में जाँच में चिकित्सक द्वारा उक्त दवा लिखे जाने एवं दिए जाने की पुष्टि प्राथमिक जांच में नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि सतर्कता बरतते हुए एहतियात के तौर पर फिर भी केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 में एडवाइजरी जारी कर 4 साल से छोटे बच्चों को डेक्स्ट्रोमैथोरपन दवा नहीं देने के लिए कहा था। इसके क्रम में राज्य सरकार ने भी एडवाइजरी जारी की है। गत शुक्रवार को ड्रग कंट्रोलर आफ इंडिया ने पुनः एक एडवाइजरी जारी कर कहा है कि सामान्यतः 5 साल से बड़े बच्चों को ही यह दवा दी जाए। विशेषकर 2 साल से छोटे बच्चों को किसी भी स्थिति में यह दवा नहीं दी जाए। प्रदेश में भी इस एडवाइजरी की सख्ती से पालना के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में मिशन निदेशक एनएचएम डॉ अमित यादव सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

"शहरी सेवा शिविर 2025" के तहत वार्डवार कैम्प से आमजन को मिल रही राहत

विद्याधर नगर जोन के अंबाबाड़ी सर्किल स्थित विद्याधर नगर जोन कार्यालय में आयोजित हुआ वार्ड संख्या 24, 26, 27, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42 का शिविर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

नगर निगम ग्रेटर द्वारा राज्य सरकार के निर्देशानुसार 17 सितम्बर 2025 से 17 अक्टूबर 2025 तक "शहरी सेवा शिविर 2025" (मुख्य शिविर) का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को विद्याधर नगर जोन के वार्ड संख्या 24, 26, 27, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42 का शिविर अंबाबाड़ी सर्किल स्थित विद्याधर नगर जोन कार्यालय में आयोजित किया गया। वार्डवार शिविर में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। 07 अक्टूबर 2025, मंगलवार को मालवीय नगर जोन के वार्ड संख्या 135, 136, 137, 140, 141, 143, 144, 145, 146 का शिविर सामुदायिक केन्द्र, 80 फीट रोड, महेश नगर में आयोजित किया जायेगा। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने विद्याधर नगर जोन कार्यालय में सोमवार को लगाये गये वार्डवार शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान आमजन से फीडबैक भी लिया। उन्होंने लाभार्थियों को जन्म प्रमाण पत्र, पट्टा संबंधी अन्य पत्र सौंपे। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ? गौरव सैनी ने बताया कि "शहरी सेवा शिविर-2025" (मुख्य शिविर) के तहत आमजन से प्राप्त विभिन्न समस्याओं का एक ही स्थान पर समाधान किया जायेगा। समस्याओं को चिह्नित करने एवं प्राप्त आवेदनों का निस्तारण करने के लिए वार्डवार प्रातः 09:30 बजे से 06:00 बजे तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। विद्याधर नगर जोन में चल रहे

शहरी सेवा शिविर में आये लालचंद द्वारा NFSA (खाद्य सुरक्षा) के लिए आवेदन किया आवश्यक दस्तावेज जमा कराने के बाद शहरी सेवा शिविर में लालचंद का नाम खाद्य सुरक्षा की सूची में जोड़ा गया शहरी सेवा शिविर में बहुत ही कम समय में कार्य पूर्ण हो जाने पर लालचंद ने खुशी व्यक्त की और सरकार का आभार प्रकट किया। विद्याधर नगर निवासी गोविंद ने बताया कि शहरी सेवा शिविर कैंप के अंतर्गत उन्होंने अपने मकान के पट्टा के लिए आवेदन किया था जरूरी दस्तावेज जमा करने के बाद कुछ ही समय बाद उन्हें उनके मकान का पट्टा बनाकर प्रदान किया गया अपनी इस कार्य के अतिशीघ्र और बिना किसी परेशानी के पूर्ण हो जाने पर गोविंद के चेहरे पर खुशी की लहर छा गई अपने इस कार्य के प्रति उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री और सरकार तथा नगर निगम ग्रेटर प्रशासन का बहुत-बहुत धन्यवाद व्यक्त किया। मंगलवार को मालवीय नगर जोन के वार्ड संख्या 135, 136, 137, 140, 141, 143, 144, 145, 146 का शिविर सामुदायिक केन्द्र, 80 फीट रोड, महेश नगर में आयोजित किया जायेगा।

अहीर जाति का भारतीय सेना में योगदान टॉपिक पर संदीप कुमार को मिली पीएच.डी. उपाधि

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर के समाज विज्ञान संकाय के अंतर्गत शोधार्थी संदीप कुमार को "अहीर जाति का भारतीय सेना में योगदान (अहीरवाल क्षेत्र के संदर्भ में 1857 - 2010 ई. तक)" टॉपिक पर किए गए शोध कार्य के लिए पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई है। संदीप कुमार ने यह शोध कार्य विश्वविद्यालय से संबद्ध बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय, अलवर के इतिहास विभाग में किया। इस शोध कार्य का निर्देशन डॉ. बाबूलाल खटीक, आचार्य, इतिहास विभाग, गौरी देवी राजकीय महिला महाविद्यालय, अलवर ने किया।

इस शोध में संदीप कुमार ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर वर्ष 2010 तक अहीर जाति, विशेष रूप से अहीरवाल क्षेत्र के सैनिकों द्वारा भारतीय सेना में दिए गए योगदान का गहन ऐतिहासिक अध्ययन किया है। शोध में यह दर्शाया गया है कि अहीर समाज ने देश की आजादी से लेकर स्वतंत्रता के बाद भी सीमाओं की रक्षा और राष्ट्रीय एकता में अपना अमूल्य योगदान दिया है। संदीप कुमार ने अपने शोध में ऐतिहासिक दस्तावेजों, अभिलेखों और सैन्य अभिलेखागारों के साथ-साथ अहीरवाल क्षेत्र के सैनिक परिवारों से प्राप्त साक्षात्कारों को भी शामिल किया है। इस अध्ययन में 1857 के संग्राम, प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध, 1962, 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों सहित कारगिल युद्ध तक के योगदान का भी विस्तृत विवरण दिया गया है।

शोध निर्देशक डॉ. बाबूलाल खटीक ने बताया कि संदीप कुमार का यह शोध कार्य अहीर समाज के गौरवपूर्ण सैन्य इतिहास पर नई रोशनी डालता है और स्थानीय इतिहास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है।

पीएच.डी. उपाधि प्राप्त करने पर विश्वविद्यालय परिवार, मार्गदर्शक, तथा अहीरवाल क्षेत्र के शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों ने संदीप कुमार को बधाई दी है।

राजस्थान रेगिस्तान से अब सिलिकॉन और सॉफ्टवेयर की दुनिया की ओर बढ़ रहा है- सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन एवं कुशल नेतृत्व में राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। इसी कड़ी में आगामी 4-6 जनवरी, 2026 को राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 का जयपुर में आयोजन किया जाएगा। उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान ऐसी जगह है जहां साहस, रचनात्मकता और मजबूती का पुराना इतिहास है। हमारा लक्ष्य अब तकनीक और सॉफ्टवेयर की ओर बढ़ना है। हमारी सरकार की नई नीतियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'विकसित भारत' के सपने को पूरा करने में योगदान दे रही हैं। कर्नल राठौड़ नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में सोमवार को आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 के कर्टेन रेजर समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की ओर से उपस्थितजन को जयपुर में 4-6 जनवरी 2026 को होने वाले इस खास आयोजन में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने कहा कि यह समिट डिजिटल, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार राजस्थान के प्रदर्शन की दिशा में बड़ा कदम है। राजस्थान अपनी सांस्कृतिक विरासत और बढ़ते डिजिटल ढांचे के साथ तकनीक और विकास में अपनी खास पहचान बना रहा है। टाई ग्लोबल समिट 2026

के संयोजक महावीर प्रताप शर्मा ने कहा कि राजस्थान ने नवाचार और प्रतिभा को बढ़ाने वाला माहौल बनाया है। हम ऐसा मंच बनाना चाहते हैं जो साझेदारियों को बढ़ाए और उद्यमशीलता को सम्मान दे। इस अवसर पर भारत सरकार के डीपीआईआईटी सचिव अमरदीप सिंह भाटिया, टाई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. सौरभ श्रीवास्तव और कई स्टार्टअप संस्थापक व उद्योग जगत के गणमान्य जन उपस्थित थे। राजस्थान डिजिफेस्ट, टाई ग्लोबल समिट के साथ मिलकर तकनीक और विकास के नए विचारों को दिखाएगा। यह समिट पहली बार किसी गैर-महानगरीय शहर में हो रहा है। इसका थीम 'एआई युग में सतत उद्यमिता - नए विचार, प्रभाव और सबको साथ लेना' है। यह समिट एआई, फिनटेक, एग्रीटेक, एआर/वीआर, मीडियाटेक, प्रॉपटेक और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों पर केन्द्रित होगा।

देवनानी ने लंदन में गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

विधानसभा अध्यक्ष ने ब्रिटिश नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी में महाराजा गंगा सिंह के चित्र का अवलोकन किया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लंदन में राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की प्रतिमा, ब्रिटिश नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी में महाराजा गंगा सिंह के पोर्ट्रेट और ब्रिटिश म्यूजियम में मां सरस्वती के चित्र का अवलोकन कर भारत की महान विरासत पर गौरव का अनुभव किया। गांधीजी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित - देवनानी ने लंदन में राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि गांधीजी केवल भारत नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के प्रेरणापुंज है। उनका सत्य, अहिंसा और नैतिकता पर आधारित जीवन आज भी विश्व के लिए मार्गदर्शक है। गांधीजी की लंदन जैसे शहर में प्रतिमा यह स्मरण कराती है कि भारत की कार्य शैली करुणा, शांति और सत्य पर आधारित है। आज जब विश्व अनेक संघर्षों से गुजर रहा है, तब गांधी जी के सिद्धांत मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ हैं। महाराजा गंगा सिंह के ऐतिहासिक चित्र का अवलोकन - देवनानी ने ब्रिटिश नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी का अवलोकन

किया और बीकानेर के महाराजा गंगा सिंह के ऐतिहासिक ऑयल पेंटिंग पोर्ट्रेट को देखा। इस चित्र को आइरिश चित्रकार सर जॉन लेवरी ने वर्ष 1921 में बनाया था। इस चित्र में महाराजा गंगा सिंह को राजसी परिधान और ब्रिटिश फील्ड मार्शल यूनिफॉर्म में दर्शाया गया है, जो उस कालखंड में एक भारतीय शासक के वैश्विक प्रभाव और नेतृत्व का प्रतीक है।

जामडोली में आयोजित एबीआरएसएम के 9 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में तीन शिक्षकों को किया शिक्षा भूषण सम्मान से अलंकृत

गुरु ही बालक का सृजनकर्ता, पालनकर्ता और अज्ञान का संहारकर्ता है- अवधेशानंद गिरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय अधिवेशन के द्वितीय दिवस पर देश के तीन अग्रणी ,सुविख्यात, कर्मयोगी व राष्ट्रीयता से ओत्प्रोत ख्याति प्राप्त तीन शिक्षाविदों को महामंडलेश्वर जूना पीठाधीश्वर आचार्य अवधेशानंद जी महाराज एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व पूर्व सहसरकार्यवाह सुरेश सोनी द्वारा शिक्षा भूषण सम्मान से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य महामंडलेश्वर जूना

पीठाधीश्वर अवधेशानंद गिरि जी महाराज ने कहा कि अपने स्व को जानने के लिए भगवान स्वयं शिक्षक के रूप में प्रकट होते हैं ,इसीलिए गुरु को सर्वोच्च सम्मान दिया जाता है । गुरु ही बालक का सृजन कर्ता पालन कर्ता और अज्ञान का संहारकर्ता है। शिक्षा ही हमें पुरुषार्थी बनाकर एवं सत्य का ज्ञान कराकर पूर्णता का बोध कराती है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायण लाल गुप्ता ने बताया कि महासंघ भारत को निरंतर प्रगति पथ पर ले जाने के उद्देश्य से शिक्षा जगत एवं समाज में अपने राष्ट्र भाव को प्रदर्शित करता है। भारत का वर्तमान समय सामाजिक ,सांस्कृतिक आर्थिक ,राजनीतिक तथा शैक्षिक दृष्टि से विचारात्मक परिवर्तन का समय है । इन सभी परिवर्तनों में शिक्षक की सदैव महत्व भूमिका रही है। शिक्षक ही वह व्यक्ति है जो विद्यार्थियों नागरिकों, समाज में ज्ञान विज्ञान का सतत प्रणयन और प्रकीर्णन करता है। इसलिए भारतीय समाज में शिक्षक का सर्वोच्च स्थान और सम्मान रहा है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ऐसे गणमान्य शिक्षकों जिनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र आराधन तथा समाज निर्माण में लगा हुआ है 2015 से समारोह पूर्वक प्रतिवर्ष सम्मानित कर रहा है। संगठन द्वारा यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में पूरे देश में अद्वितीय कार्य करने वाली तीन विभूतियां को प्रदान किया जाता है। सम्मानित शिक्षकों को ? 1 लाख की नगद राशि, प्रशस्ति पत्र और चांदी की प्लेट प्रदान की जाती है। इस वर्ष यह सम्मान राजस्थान के उदयपुर से प्रोफेसर भगवती प्रकाश शर्मा जो गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा के कुलपति है एवं जिन्होंने विश्व व्यापार संगठन के पांचवें छठे दसवें सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया । जिनके 350 से अधिक शोध देश-विदेश की अनेक पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए तथा भारत सरकार द्वारा मदन मोहन मालवीय पुरस्कार प्रदान किया गया। हरियाणा से यह पुरस्कार दिल्ली विश्विद्यालय के दौलतराम कॉलेज की प्राध्यापिका प्रोफेसर सुषमा यादव को दिया गया जो हरियाणा के केन्द्रीय विश्विद्यालय एवम इंद्रा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की उपकुलपति रही तथा जिनके अनेक शोध लेख एवम पुस्तकें देश विदेश में प्रकाशित हुई । जिन्हें अंतराष्ट्रीय महिला दिवस का विदुषी सम्मान, सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से नवाजा जा चुका है। केरल से वि. जे. श्रीकुमार को यह सम्मान दिया गया,जो अमृता संस्कृत उच्चतम विद्यालय,कोल्लम में अध्यापक है इनके अनेक कार्यक्रम और वार्ताएं आकाशवाणी व दूरदर्शन पर प्रसारित हुए है। इनकी 44 कविताओं का संकलन वाक्श्री शीर्षक से प्रकाशित हुआ। इन्हें केरल राज्य का संस्कृत के क्षेत्र में राज्यस्तरीय पुरस्कार प्राप्त है।

7 अक्टूबर को यहां लगाए जाएंगे शहरी सेवा शिविर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा,

शहरी क्षेत्र में लग रहे शहरी सेवा शिविर के तहत 7 अक्टूबर को नगर परिषद खैरथल के वार्ड 25 27 एवं ग्राम लिसाना, नांगल मोजिया, रायपुर मेवान हेतु अंबेडकर धर्मशाला में किशनगढ़ बास रोड नांगल मोजिया, नगर परिषद भिवाड़ी के वार्ड 34,35,36 हेतु कार्यालय नगर परिषद भिवाड़ी में, नगर परिषद तिजारा के वार्ड नंबर 1 से 25 हेतु फॉलो अप शिविर सभागार नगर परिषद तिजारा में, नगर पालिका मुंडावर के वार्ड 6,7 हेतु कार्यालय नगर पालिका मुंडावर में, नगर पालिका टपूकड़ा के वार्ड नंबर 1 से 5 हेतु कार्यालय नगर पालिका टपूकड़ा में, नगर पालिका किशनगढ़ बास के वार्ड 23,24 हेतु गरीब नाथ मंदिर किशनगढ़ बास में शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

भिवाड़ी में मॉल के सामने दिनदहाड़े बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी के फूलबाग थाना क्षेत्र में कैपिटल हाई स्ट्रीट पर रिलायंस मार्ट के सामने बाइक चोरी की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पीड़ित राम समुझ ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उनके बेटे किशन यादव की बाइक अज्ञात चोर ने दिनदहाड़े चुरा ली। सीसीटीवी फुटेज में चोर बाइक लेकर भागता साफ दिखाई दे रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।घटना 4 अक्टूबर की शाम 7 बजे की है, जब किशन यादव, जो रिलायंस मार्ट में कर्मचारी हैं, ने अपनी बाइक मार्ट के सामने खड़ी की। रात 8.30 बजे लौटने पर बाइक गायब थी। आसपास तलाश और सीसीटीवी जांच में पता चला कि एक अज्ञात व्यक्ति बाइक स्टार्ट कर फरार हो गया। राम समुझ ने बताया कि बाइक उनके नाम पर रजिस्टर्ड है। उन्होंने पुलिस से चोर के खिलाफ सख्त कार्रवाई और बाइक की बरामदगी की मांग की है।फूलबाग थाना पुलिस ने आईपीसी की धारा 379 के तहत मामला दर्ज किया और सब-इंस्पेक्टर अमर सिंह को जांच सौंपी। सिंह ने कहा, "सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश शुरू है। आसपास के थानों से सहयोग लिया जा रहा है। जल्द ही आरोपी पकड़ा जाएगा।" पुलिस ने वाहन मालिकों को लॉक और सुरक्षित पार्किंग का उपयोग करने की सलाह दी।भिवाड़ी में बाइक चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। हाल में मिलकपुर गुर्जर और अन्य क्षेत्रों में भी ऐसी वारदातें हुईं। स्थानीय व्यापारी संघ ने गश्त बढ़ाने की मांग की है। यह घटना शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से उम्मीद है कि चोर जल्द पकड़ा जाएगा और पीड़ित को न्याय मिलेगा।

जिला कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समीक्षा बैठक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिला कलक्टर ने पिछली जनसुनवाई में आए परिवादों की समीक्षा, सम्भावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम, बिजली, पानी सार्वजनिक आवश्यक सेवाओं की सूचारू रूप से आपूर्ति, केंद्र एवं राज्य की विभागीय फ्लैगशिप योजना एवं समीक्षा बैठकों की अनुपालना रिपोर्ट, सम्पर्क पोर्टल की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की विभागवार समीक्षा की। उन्होनें जिला स्तरीय अधिकारियों को चुनावी प्रक्रिया के लिए अपना, अधीनस्थ कर्मचारी और परिवारजनों का एसआईआर पोर्टल पर ऑनलाइन गणना फार्म भरने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को अपने विभाग से संबंधित फ्लैगशिप को सही ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए, उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना, पीएम स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना सहित विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा का आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि मौसम में बदलाव को देखते हुए मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए उपयुक्त उपाय सुनिश्चित करें। उन्होंने बीमारियों की रोकथाम की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए अस्पतालों में सुविधाऐं बढाने, मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने जलदाय एवं विद्युत विभाग से पानी एवं बिजली सप्लाई की जानकारी प्राप्त कर आमजन को आधारभूत सुविधा सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, अधीक्षण अभियंता पीएचईडी धर्मवीर यादव, नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा, उपनिदेशक पशुपालन विभाग हवा सिंह जाट, सहायक अभियंता बिजली विभाग दिनेश भड़ाना, एसीएफ वन विभाग संजय चैधरी, पुलिस, राजीविका, बिजली, कृषि, वन, शिक्षा, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

इन्द्रप्रस्थ कॉलेज में नशा मुक्त समाज और सशक्त भारत विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंडावर

मुंडावर उपखण्ड स्थित इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब और एनएसएस यूनिट के संयुक्त तत्वावधान और कार्यक्रम प्रभारी शिक्षाविद अभिनव शर्मा के निर्देशन में नशा मुक्त समाज और सशक्त भारत विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए शिक्षाविद एवं गांधीवादी विचारक डॉ. डी. आर. शर्मा ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए तथा हमें आसपास रहने वाले सभी लोगों को नशे की दुष्प्रवृत्तियों से बचने के लिए जागरूक करना चाहिए। नशा घर, परिवार और समाज को बर्बादी की ओर अग्रसर करता है। भारत युवाओं का देश है और युवा वर्ग किसी भी समाज और राष्ट्र की एक मजबूत आधारशिला के रूप में होते हैं। संगोष्ठी में छात्राओं और स्वयंसेविकाओं को नशे की दुष्प्रवृत्तियों से दूर रहने के लिए शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रेमलता शर्मा, नेहा चौधरी, नीतू चौधरी, अनिता चौधरी, फाल्गुनी शर्मा, अंशु मेघवाल, दीक्षा मेघवाल, निकिता, अंशु यादव, शुभम यादव, मनीषा यादव, काजल यादव, मुस्कान यादव, सपना यादव, अनोख चौधरी, रिया सैनी, अंजू कश्यप, कीर्ति शर्मा, ज्योति कुमारी, पायल शर्मा एवं मधु मेघवाल सहित अनेक छात्राओं और स्वयंसेविकाओं के द्वारा अपने विचार रखे गए।

राजस्थान में सीकर अव्वल और सीकर में केशवानन्द अव्वल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

एनएच 52 स्थित स्वामी केशवानन्द शिक्षण संस्थान के फुटबॉलरों ने लहराया अपना परचम। जानकारी देते हुए खेल प्रभारी महेन्द्र सहारण ने बताया कि कोटा मे चल रही अंडर 17 छात्र वर्ग राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में रविवार को फाइनल मुकाबला सीकर व हनुमानगढ के मध्य खेला गया जिसमें पहले हाफ ने दोनो टीमों एक दूसरे पूरजोर दबाव बनाने की कोशिश की। दूसरे हाफ के 20वें मिनट मे सीकर के केशवानन्द स्कूल के आदित्य ने दबाव बनाते हुए शानदार गोल कर बढत दिलाई जो मैच समाप्ति तक कायम रही। अंततः सीकर ने यह मुकाबला 1-0 से जीतकर चैम्पियनशिप अपने नाम की। सीकर के अंडर 17 की टीम में केशवानन्द स्कूल के 6 खिलाडी व अंडर 14 की टीम में 4 खिलाडी प्रतिनिधित्व कर रहे है। साथ ही भीलवाडा में चल रही अंडर 14 छात्र वर्ग राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में सीकर ने झुन्झुनूं को 2-1 से हराकर चैम्पियनशिप पर कब्जा किया। वंही अजमेर में चल रही 14 आयु वर्ग छात्र/छात्रा राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में सीकर टीम ऑलऑवर सैकण्ड रनरअप रही व 5 खिलाडियों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता कैम्प के लिए चयनित हुये। विजेता टीमें सीकर रेल्वे स्टेशन पर पहुचने पर केशवानन्द एजुकेशन हब द्वारा सम्पूर्ण टीम व टीम कोच शहजाद खान, नरेश श्योरण, प्रदीप गुर्जर, दल प्रभारी शिवलाल व शिवकुमार सैनी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था निदेशक रामनिवास ढाका, सहनिदेशक गोपालसिंह ढाका, चैयरमैन सुरेन्द्र सिंह, कैम्पस हैड राहुल ढाका सहित प्रबंधन सदस्यों ने विजेता टीमों को बधाई प्रेषित की।

जोधपुर डिस्कॉम कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

राजस्थान के पांचों बिजली निगमों के कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार और डिस्कॉम प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। जोधपुर डिस्कॉम के तकनीकी कर्मचारियों ने सोमवार को खैरथल-तिजारा के जिला कलेक्टर और भिवाड़ी अधीक्षण अभियंता के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और ऊर्जा मंत्री को 11 मांगों का ज्ञापन सौंपा। कर्मचारी एसोसिएशन ने कहा कि यदि मांगें जल्द पूरी न हुईं, तो अनिश्चितकालीन धरना शुरू होगा।एसोसिएशन ने आंदोलन का चरणबद्ध कार्यक्रम घोषित किया है। 24 सितंबर से उपखंड और तहसील स्तर पर धरना शुरू हो चुका है। 6 अक्टूबर को जिला स्तर पर प्रदर्शन हुआ, 15 अक्टूबर को जोधपुर में डिस्कॉम स्तर पर धरना होगा, और फिर अजमेर व जयपुर डिस्कॉम में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू होगा। एसोसिएशन का कहना है कि बार-बार अनुरोध के बावजूद प्रबंधन ने बातचीत नहीं की, जिससे कर्मचारी आंदोलन को मजबूर हैं।मुख्य मांगों में इंटर-डिस्कॉम तबादला नीति लागू करना, नियुक्ति तिथि से 2400 ग्रेड पे, टाइम बाउंड पदोन्नति का वित्तीय लाभ, हाई ड्यूटी भत्ता, मुफ्त बिजली कनेक्शन, मोटरसाइकिल भत्ता, रत्नस स्वास्थ्य योजना और वर्दी धुलाई भत्ता शामिल हैं। इसके अलावा, सीनियर इंजीनियरिंग सुपरवाइजर पद सृजन, दुर्घटना प्रभावित कर्मचारियों को गृह जिले में ट्रांसफर और फॉल्ट रिस्पॉन्स टूल (एफआरटी) के लिए प्रति शिफ्ट 4 कार्मिक व 1 ड्राइवर की मांग की गई है।विशेष रूप से, जोधपुर डिस्कॉम के तकनीशियन मलखान मीणा के निलंबन को लेकर एसोसिएशन ने काउंसलिंग और चार्जशीट वापसी की मांग की, इसे गरीब लीडरशिप का उदाहरण बताते हुए। एसोसिएशन ने कहा कि छोटी गलतियों पर सजा परिवार को प्रभावित करती है।राज्य सरकार ने 2025-26 बजट में 150 यूनिट मुफ्त बिजली और 1,947 नए तकनीशियन पदों की मंजूरी दी है, लेकिन कर्मचारी इसे अपर्याप्त मानते हैं। एसोसिएशन ने डिस्कॉम अधिकारियों से तत्काल वार्ता की मांग की है, अन्यथा आंदोलन तेज होगा। कर्मचारी सेवा बाधित नहीं करना चाहते, लेकिन "न्याय के बिना चुप नहीं रहेंगे।"

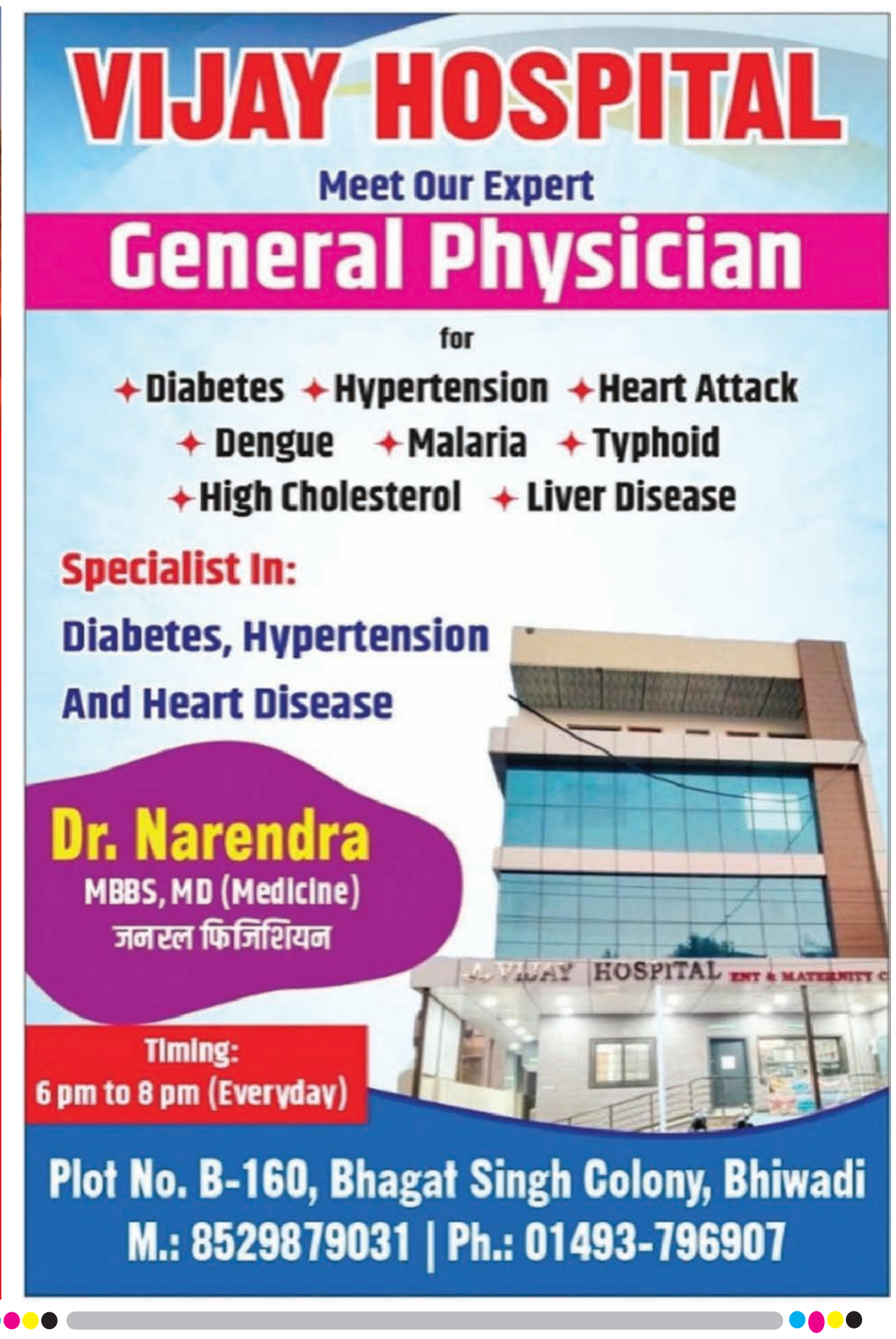

भारत को अपने समुद्री सीमा को अधिक मजबूत करना होगा

संजय गोस्वामी

ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की स्थिति को देखते हुए यह डिजाइन किया गया है स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए पहले युद्ध पोत, आईएनएस निस्तार का शामिल होना और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भारत का पहला संयुक्त गश्ती दल की क्षमता व युद्ध पोत का निर्माण और हिंद-प्रशांत महासागर में में उसकी तैनाती दोनों को दशार्ता है, कि भारत की महासागर में पकड़ मजबूत है लेकिन पाकिस्तान भी जहाँ कराची और ग्वादर में चीन की उपस्थिति चिंता जनक है।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के निर्णायक सैन्य जवाब के रूप में 07 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। कश्मीर में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले में एक नेपाली नागरिक सहित 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पीओके और पाकिस्तानी क्षेत्र में 9 आतंकी स्थलों को निशाना बनाया,मई 2025 में पाकिस्तान के साथ भारत का हमला ऑपरेशन सिंदूर से वायु क्षेत्र में भारत की शक्ति में वृद्धि हुआ, इसलिए भारत ने पुराने मिग 21 विमान को अलविदा कर दिया बाद के घटनाक्रमों का ध्यान समुद्री क्षेत्र की ओर मोड़ दिया है, जैसा कि भारत और पाकिस्तान दोनों की प्रमुख नौसैनिक गतिविधियों, क्षमता और आधिकारिक बयानों में देखा जा सकता है, जहाँ उनकी नौसेनाएँ अपनी स्थिति में सुधार कर रही हैं और युद्ध से निपटने के लिए तैयारी का संकेत दे रही हैं। 2 अक्टूबर को, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध का हवाला देते हुए, पाकिस्तान को एक तीखी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी, जो भारत में किसी तरफ के आतंकवादी घटना में पाकिस्तान द्वारा किसी भी दुस्साहस की स्थिति में उसके इतिहास और भूगोल को बदल सकती है लेकिन पाकिस्तान समुद्री क्षेत्र में सैन्य बुनियादी ढाँचे का विस्तार कर रहा है, यह एक ऐसा विकास है जो 2023 से जारी है। ऐतिहासिक रूप से, पाकिस्तान को इस क्षेत्र में एक सैन्य बढ़त हासिल रही है। यह अगस्त में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी द्वारा दिए गए उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में किसी भी संघर्ष में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने वाली नौ सेना पहली सेना होगी।नौसेना से जुड़ी हाल की खबरें बताती हैं कि भारत ने अपना पहला स्वदेशी 3डी निगरानी रडार लांजा-एन प्राप्त किया है, जो हवाई और सतह के लक्ष्यों का पता लगा सकता है। साथ ही, नौसेना को दो आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को भी शामिल किया गया है, जिससे उसकी शक्ति में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना ने सफलतापूर्वक वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का परीक्षण किया, जो

हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है।

ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की स्थिति को देखते हुए यह डिजाइन किया गया है स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए पहले युद्ध पोत, आईएनएस निस्तार का शामिल होना और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भारत का पहला संयुक्त गश्ती दल की क्षमता व युद्ध पोत का निर्माण और हिंद-प्रशांत महासागर में में उसकी तैनाती दोनों को दशार्ता है, कि भारत की महासागर में पकड़ मजबूत है लेकिन पाकिस्तान भी जहाँ कराची और ग्वादर में चीन की उपस्थिति चिंता जनक है। पाकिस्तान ने अपने समुद्री सिग्नलिंग को हाल ही भी मजबूत किया है। मई में, उसने युद्ध में समुद्री आक्रमण से बचने के लिए कराची से ग्वादर तक समुद्र में युद्ध पोत की अपनी तैनाती बढ़ा दीं है । तब से, चीन द्वारा निर्मित हैंगोर श्रेणी की पनडुब्बी, पीएनएस मैंग्रो का प्रक्षेपण किया है और घरेलू स्तर पर विकसित पी282 जहाज से प्रक्षेपित करने वाला बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया है। इसके बाद भारत ने नोटिस टू एयरमैन को जारी किया जाता है जब हवाई यातायात की आवाजाही एक निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित होती है। , कई , मिसाइल का भी परीक्षण किया और लाइव-री अभ्यास भी हुए हैं - कभी-कभी केवल 60 समुद्री मील की दूरी पर झ जिससे अरब सागर में अलर्ट और परिचालन का एक चक्र बना रहा है । नौसेना सिग्नलिंग का महत्व ऑपरेशन सिंदूर के बाद नौसेना की गतिविधियों में वृद्धि एक बुनियादी सवाल उठाती है कि क्या ये समानांतर अभ्यास केवल नियमित गतिविधियाँ हैं या नौसेना क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान निरोध समीकरण में बदलाव का संकेत देने वाला एक सुनियोजित बल प्रदर्शन है। इसका उत्तर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा संकट, हालाँकि हवाई क्षेत्र में हल हो गया है, लेकिन समुद्र में रणनीतिक अनिश्चितता का एक अवशेष छोड़ गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत और पाकिस्तान अपनी नौसैनिक स्थिति को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं, न केवल प्रतिरोध के लिए, बल्कि इस संभावना के लिए भी तैयारी कर रहे हैं कि टकराव का अगला चरण समुद्री क्षेत्र में सामने आ सकता है। इस बदलाव को क्षमताओं के व्यापक संतुलन के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। वायु क्षेत्र की तरह, समुद्री संतुलन को अब 1999 में कारगिल युद्ध में जीत मिली लेकिन समुद्र में उसकी शक्ति की कम थी जब 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में जिस तरह अमेरिका के युद्ध पोत जंग में भारत के लिए खतरा बना था जिसे रूस के युद्ध पोतों ने टाला था और भारत विजय हुआ लेकिन 26/11/08 में समुद्री मार्ग से पाकिस्तान के आतंकवादी का घुसना और मुंबई में कत्लेआम मचाना भी समुद्री मार्ग एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता है । भारत की नौ सेना की ताकत कम नहीं है, लेकिन उसकी नौसैनिक क्षमता अब पुरानी होती जा रही है, जिससे आधुनिकीकरण की चिंताएँ बढ़ रही हैं। पाकिस्तान लगातार अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, चीन द्वारा डिजाइन की गई पनडुब्बियों और तुर्की से बाबर श्रेणी के कोरवेट को शामिल कर रहा है। उन्नत रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरणों और बहुमुखी वायु-रोधी और सतह-रोधी हथियारों के साथ, ये संपत्तियाँ महत्वपूर्ण हैं। इस बदलाव को स्वीकार करते हुए, भारत के नौसेना प्रमुख ने पाकिस्तान की नौसेना की शक्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि की ओर भी इशारा किया था। हालाँकि भारत की बढ़त अभी भी बनी रह सकती है, लेकिन यह अंतर कम होता जा रहा है, जिससे हिंद महासागर में निर्विवाद प्रभुत्व की धारणाएँ और भी जटिल हो रही हैं। कुल मिलाकर, ये घटनाएँ तीन कारणों से महत्वपूर्ण हैं: तनाव नियंत्रण, बाहरी हस्तक्षेप और दोनों पक्षों के बदलते सिद्धांत। पहला, समुद्र में तनाव नियंत्रण कहीं अधिक कठिन है। हवाई झड़पों के विपरीत, जिन्हें संतुलित करके पीछे हटाया जा सकता है, किसी भी नौसैनिक मुठभेड़ (जहाज पर जहाज या जमीन पर जहाज) में युद्ध की दहलीज पार करने का जोखिम अधिक होगा। 1971 की यादें, जब भारतीय नौसैनिक अभियानों ने संघर्ष को निर्णायक रूप से बदल दिया था, अतिरिक्त संवेदनशीलता जोड़ती हैं - यहाँ तक कि सीमित समुद्री कार्रवाई भी पाकिस्तान की रणनीतिक कल्पना में अस्तित्व के जोखिम से जुड़ी है। तब से, पाकिस्तान की मुख्य समुद्री चिंता भारतीय नौसैनिक अभियानों के प्रति अपनी कमजोरी की पुनरावृत्ति को रोकना रही है, जो पहुँच-रोधी/क्षेत्र-निषेध क्षमताओं की खोज और निषेध द्वारा निवारण की ओर उन्मुख सिद्धांत की क्रमिक अभिव्यक्ति में दिखाई देती है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के ढाँचे के तहत ग्वादर के विकास को भी इसी निवारण तर्क के अंतर्गत समझा जाना चाहिए।

संपादकीय

दहेज का दानव

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खचीर्ली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी। निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दशार्ते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

चिंतन-मनन

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है।

सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है।

कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतःकरण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : सियासी शतरंज की बिसात पर नया दौर

विनोद कुमार सिंह

बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 की चुनावी बिगुल बज चुकी है। चुनाव आयोग ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर औपचारिक रूप से तिथियों की घोषणा कर दी। बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों–6 और 11 नवंबर-में संपन्न होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही राज्य का राजनीतिक पारा चढ़ गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष–दोनों ही गठबंधन–अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं।

एनडीए और महागठबंधन दोनों में सीटों के बँटवारे को लेकर मंथन जारी है। एनडीए खेमे में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान करीब 40 सीटों की माँग कर रहे हैं, जबकि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के नेता जीतन राम मांझी गयाझऔरंगाबाद जैसे क्षेत्रों में अपने प्रभाव के अनुरूप अधिक सीटें चाहते हैं।

दोनों नेताओं ने संकेत दिए हैं कि यदि माँगें नहीं मानी गईं तो वे स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ सकते हैं–जो एनडीए की एकजुटता के लिए चुनौती बन सकता है।वहीं महा गठबंधन ने भी अपनी तैयारी तेज कर दी है। राजद, कांग्रेस और वामदलों ने मिलकर 'बदलाव और बेरोजगारी के खिलाफ जनसंग्राम' का नारा दिया है।

एनडीए की सबसे बड़ी ताकत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की साझा छवि है।

केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर सत्ता में रहने का लाभ एनडीए को मिल सकता है।

भाजपा 'स्थिर सरकार, मजबूत बिहार' के संदेश के साथ जनता तक पहुँचने की कोशिश में है।

नीतीश कुमार का प्रशासनिक अनुभव अब भी कई वर्गों को प्रभावित करता है, हालांकि उनके लगातार बदलते राजनीतिक समीकरणों से कुछ मतदाताओं में असमंजस भी है।

चिराग पासवान, जिन्होंने 2024 में पाँच लोकसभा सीटें जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की, अब विधानसभा में भी निर्णायक भूमिका चाहते हैं। मांझी की पार्टी भले सीमित सीटों पर प्रभावशाली हो, परंतु कुछ क्षेत्रों में उनका जनाधार परिणाम तय कर सकता है।

महागठबंधन की मुहिम : जनता बनाम सत्ता - महागठबंधन ने इस बार 'जनता बनाम सत्ता' का मुद्दा केंद्र में रखा है।

तेजस्वी यादव बेरोजगारी, पलायन और शिक्षा जैसे विषयों पर युवाओं को जोड़ने की मुहिम चला रहे हैं, जबकि कांग्रेस राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के जरिए शहरी और युवा मतदाताओं को आकर्षित कर रही है।

वामदलों का फोकस किसानों- मजदूरों पर है - महागठबंधन की कोशिश है कि पारंपरिक मुस्लिम-यादव (MY) समीकरण के साथ अति पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर तबकों तक भी पहुँच बनाई जाए।

नीतीश कुमार के लगातार 'पाला बदलने' से विपक्ष को 'विश्वसनीयता' का मुद्दा मिला है, जिसे वह भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा।

गाँव से शहर तक प्रचार युद्ध जारी है

ग्रामीण इलाकों में जातीय और स्थानीय समीकरण अब भी निर्णायक हैं। एनडीए 'लाभार्थी वर्ग' को साध रहा है-वे लोग जिन्हें केंद्र या राज्य की योजनाओं का सीधा लाभ मिला है। भाजपा-जदयू कार्यकर्ता घर-घर जाकर सरकारी योजनाओं की उपलब्धियाँ गिना रहे हैं।

महागठबंधन 'रोजगार और सम्मान' को केंद्र में रखकर युवाओं से संवाद कर रहा है।सोशल मीडिया पर भी जंग तेज है - ट्विटर (X), फेसबुक और यूट्यूब पर दोनों गठबंधन प्रचार अभियान में जुटे हैं।तेजस्वी यादव और चिराग पासवान 'युवा नेतृत्व' के प्रतीक के रूप में उभर रहे हैं। महिलाएँ और युवा : सत्ता का नया गणित -इस बार चुनावी परिणामों में महिला और युवा मतदाताओं की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है।

नीतीश सरकार की साइकिल योजना,पोषण आहार और महिला आरक्षण जैसी योजनाएँ अब भी महिला वोटरों के बीच लोकप्रिय हैं।

लेकिन बेरोजगारी और पलायन से जूझ रहे युवाओं में असंतोष विपक्ष के लिए अवसर बन सकता है।

महिलाएँ अब केवल पारंपरिक सोच से नहीं, बल्कि शिक्षा, सुरक्षा और महँगाई जैसे ठोस मुद्दों पर मतदान निर्णय ले रही हैं। एनडीए 'नारी शक्ति-मजबूत बिहार' के नारे पर केंद्रित है,जबकि महागठबंधन 'समान अवसर, समान अधिकार' को मुख्य एजेंडा बना रहा है।

चुनाव आयोग की तैयारियाँ -मुख्य चुनाव आयुक्त और उनकी टीम ने बिहार की प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की है। पूवार्चंल वासियों का महापर्व छठ के बाद दो चरणों में मतदान प्रस्तावित है–6 और 11 नवंबर को होगी , वही मतगणा 14 नम्बर को होगी।सुरक्षा और लॉजिस्टिक कारणों से इस बार बहु-चरणीय मतदान को प्राथमिकता दी गई है।

भविष्य का सियासी गणित -बिहार का मतदाता अब पहले से अधिक जागरूक है। जाति और धर्म से आगे बढ़कर जनता विकास, रोजगार और शिक्षा पर ध्यान दे रही है। एनडीए के पास मजबूत संगठनात्मक नेटवर्क है–भाजपा की बूथ-स्तरीय मशीनरी और जदयू का प्रशासनिक अनुभव।

वहीं महागठबंधन 'परिवर्तन' के नारे और युवा ऊर्जा के सहारे मैदान में उतरा है।यदि एनडीए चिराग पासवान और मांझी की सीट माँगों को संतुलित ढंग से हल कर लेता है, तो उसकी एकजुटता बनी रह सकती है। अन्यथा मतभेद महागठबंधन को बढ़त दे सकते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार चुनाव का परिणाम 'माइक्रो कास्ट समीकरण', 'युवा भागीदारी' और 'स्थानीय नेतृत्व की विश्वसनीयता' पर निर्भर करेगा। संक्षेप में बिहार की सियासत का नया अध्याय बिहार में सत्ता की राह हमेशा गठबंधन की राजनीति से होकर गुजरती है।एनडीए के लिए यह चुनाव 'एकता और संयम' की परीक्षा है,जबकि महागठबंधन के लिए 'विश्वसनीयता और वैकल्पिक नेतृत्व' की। जनता का मूड इस बार विकास और भरोसे के इर्द-गिर्द घूमता दिख रहा है।आगामी महीनों में उम्मीदवार चयन और प्रचार रणनीति यह तय करेंगे कि बिहार की जनता स्थिरता चुनेगी या बदलाव। एक बात तय है –2025 का बिहार विधानसभा चुनाव केवल सत्ता का संघर्ष नहीं, बल्कि राज्य की सियासी संस्कृति के पुनर्निर्माण की लड़ाई होगा।

मुद्दा-खाद्यान्न संकट से निपटना बड़ी चुनौती

अविनाश चन्द्र

21वीं सदी में भारत सहित समस्त विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती खाद्यान्नों के संकट से निबटने की होगी। वर्ष 2050 तक दुनिया की आबादी के 9.3 अरब होने उम्मीद है। इतनी बड़ी आबादी की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिए वर्तमान में होने वाले कुल वैश्विक उत्पादन की तुलना में 70 प्रतिशत अधिक खाद्यान्नों के उत्पादन की जरूरत पड़ेगी। दुनियाभर में बने युद्ध के माहौल ने कोढ़ में खाज की ही स्थिति पैदा की है। कई ध्ल्वों में बंट चुकी दुनिया के देशों द्वारा खाद्यान्नों के आायात-निर्यात को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किये जाने के कारण समस्या और विकराल हुई है। इसके अलावा धरती की घटती उर्वरा शक्ति के साथ साथ जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निबटते ह०ए उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करना सभी देशों के लिए मुश्किलों का सबब बनने वाला है। जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक दुष्प्रभाव जिन देशों पर पड़ सकता है उसमें भारत सबसे संवेदनशील देशों वाले वर्ग में आता है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2024 में भारत का स्थान 127 देशों में 105वें क्रम पर है। जबकि 2050 तक भारत की आबादी के बढ़कर 1.7 अरब होने की संभावना है और देशवासियों की खाद्य जरूरतों को पूरा करने उसे कुल वर्तमान उत्पादन की तुलना में उत्पादन को कम से कम 32 प्रतिशत अधिक बढ़ाना होगा।

मुश्किलों की झलक हमें विगत क०छ वर्षों के दौरान स्पष्ट रूप से देखने को मिलने लगी हैं जब आश्चर्यजनक रूप गर्मी फरवरी-मार्च महीने में ही अपने तेवर दिखाने लगती है। बरसात के बदलते पैटर्न ने भी कृषि कार्य को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। वर्ष 2021 का ही उदाहरण लेते हैं। फरवरी तक जिस गेहूं के रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद की जा रही थी और जिसके बल पर रिकॉर्ड निर्यात की योजना बनाई जा रही थी, मई आते आते कम उत्पादन के कारण उस पर पानी फिर गया। आलम ये बना कि सरकार को गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने का फैसला लेना पड़ा। गेहूं के अलावा चीनी के निर्यात को भी रोक दिया गया। यह एक दिन या एक वर्ष की बात नहीं है। आज समस्त विश्व के समक्ष बढ़ती जनसंख्या की खाद्यान्न जरूरतों को पूरा करने की बड़ी चुनौती है। दुनियाभर के नीति निर्धारक और वैज्ञानिक इस समस्या का समाधान तलाशने में अनवरत रूप से जुटे हैं। जागल्कता और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के कारण खाद्यान्नों की सबसे ज्यादा मांग विकासशील और अल्पविकसित देशों से होने की उम्मीद की जा रही है। जबकि जलवायु परिवर्तन की सबसे अधिक मार भी इन्ही विकासशील देशों पर ही पड़ने की उम्मीद है। आसन्न संकट को देखते हुए दुनियाभर के नीति नियंताओं के बीच खाद्यान्न संकट से निबटने के लिए कृषि के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकि के प्रयोग से उत्पादन में वृद्धि और उत्पादों के बेहतर संरक्षण को लेकर सहयोग और सामंजस्य पर सहमति तैयार करने का दौर जारी है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करते हुए और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हुए खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि की च०नौती बड़ी है लेकिन जेनेटिकली मॉडिफाइड यानी अनुवांशिक रूप से संशोधित कृषि उत्पादन तकनीकि से उम्मीद जगती है। इस तकनीक से फसलों को जहां कीट, बीमारी और खरपतवार रोधी बनाए जाने में सफलता प्राप्त हुई है वहीं मौसम जनित विषमताओं को झेलने में भी आसानी हुई है। एक दशक पूर्व विकसित सब1ए प्रकार के धान का पौधा बाढ़ और सूखे दोनों प्रकार की परिस्थितियों को झेलने में सक्षम है वहीं गोल्डन राइस विटामिन ए की प्रचूरता से युक्त है। चूंकि बीजों को विकसित करने के दौरान ही उनके जीन में परिवर्तन कर उन्हें कीट और खरपतवार रोधी बना दिया जाता है इसलिए पूरे फसल चक्र के दौरान इन पर रासायनिक कीटनाशकों के छिड़काव की या तो जरूरत नहीं पड़ती या बहुत कम पड़ती है। इस पद्धति से की जाने वाली खेती में बीज रोपने के लिए खेतों की बहुत अधिक जुताई करने की जरूरत भी नहीं पड़ती है जिससे पेट्रो पदार्थों की खपत और प्रदूषक गैसों के उत्सर्जन में भी कमी आती है। रसायनों के न्यून प्रयोग के कारण पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह पारंपरिक कृषि की तुलना में अधिक प्रभावी है। यही कारण है कि वर्ष 1996 तक दुनियाभर में जीएम फसलों का कुल रकबा जहां 17 लाख हेक्टेयर था वहीं 2019 आते आते यह बढ़कर 1 करोड़ 94 लाख हेक्टेयर तक हो गया। भारतीय किसानों ने भी बीटी कॉटन के प्रयोग से बंपर उत्पादन प्राप्त करने और देश को शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की है। कॉटन उत्पादकों ने बीटी बीज की मदद से उत्पादन में 22 प्रतिशत की वृद्धि और मुनाफे में 68 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की जबकि इसी दौरान रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग में 37 प्रतिशत की कमी हुई। बीटी कॉटन की सफलता से उत्साहित भारतीय कृषि विज्ञानियों ने वर्ष 2009 में ही बीटी बैंगन भी तैयार कर लिया। व्यापक परीक्षण के बाद खाद्य नियायम प्राधिकरण द्वारा इसका अनुमोदन भी किया गया लेकिन दो दशक से भी अधिक समय से किसान बीटी बैंगन के वाणिज्यिक उत्पादन के लिए सरकारी हरी झंडी के इंतेजार में हैं। जबकि पड़ोसी देश बांग्लादेश ने 2014 में बीटी बैंगन के उत्पादन को मंजूरी दे दी और तब से वहां व्यापक रूप से इसका उत्पादन और उपभोग किया जा रहा है। सितंबर 2018 में जीईएसी की बैठक में बांग्लादेश में करीब 50 हजार किसानों द्वारा बीटी बैंगन उगाने की जानकारी दी गई थी। इसमें से 27 हजार से ज्यादा किसान ऐसे थे जिन्होंने पिछली फसल से अपने बीज बचाए थे। इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएफपीआरआई) और बांग्लादेश एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट (बारी) ने बांग्लादेश में बीटी बैंगन की खेती करने और न करने वाले किसानों में 2018 में एक परीक्षण किया और पाया कि बीटी बैंगन की खेती करने वाले किसानों की प्रति किलोग्राम लागत में 31 फीसदी की कमी और प्रति हेक्टेयर कमाई में 27.3 फीसदी की वृद्धि हुई। जबकि कीटनाशकों के प्रयोग में 39 फीसदी की कमी आई और बीटी बैंगन में एफएबीस कीड़े का प्रकोप केवल 1.8 फीसदी था, जबकि दूसरी किस्म के बैंगन में 33.9 फीसदी था। वर्ष 2021 फिलीपींस में भी बीटी बैंगन को मंजूरी दे दी गई। यही सूरते हाल भारतीय कृषि विज्ञानियों द्वारा विकसित सरसों की जीएम किस्म का भी है। दो दिन पूर्व ही खबर आई कि चीन ने अपने देश में सोयाबीन और मक्का सहित 98 फसलों के जीएम प्राल्प के उत्पादन की अनुमति दे दी है। जबकि भारत में जीएम फसलों का मुद्दा खाद्या९ आपूर्ति से ज्यादा राजनीति का मुद्दा बन चुका है। एक आधारहीन अवधारणा के बल पर यह साबित करने का अनवरत प्रयास चल रहा है कि जीएम खाद्य पदार्थ मानव स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं है। इसके अतिरिक्त इसे विदेशी बीज उत्पादकों के मुनाफे से जोड़कर देसी भावनाओं को भड़काने का काम किया जा रहा है। कुछ सामाजिक संगठनों, कृषि विशेषज्ञों, कीटनाशक उत्पादकों की लॉबी आदि के दबाव में सरकार चाहते ह०ए भी जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों के वाणिज्यिक उत्पादन की अनुमति नहीं दे पा रही है। जबकि लगभग 3 हजार वैज्ञानिक अध्ययनों द्वारा इन फसलों की सुरक्षा का आंकलन किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूरोपीय आयोग और रॉयल सोसाइटी ऑफ मेडिसिन सहित वैश्विक स्तर के 284 संस्थान जीएम फसलों को मानव और पर्यावरण के लिए स०रक्षित मानते हैं। 2016 में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंजीनियरिंग और मेडिसिन ने 9 सौ से अधिक प्रकाशनों की समीक्षा की, 80 वक्ताओं को सुना और जनता से 7 सौ से अधिक टिप्पणियां एकत्रित की। वे सभी एक ही निष्कर्ष पर पहुंचे कि गैर जीएम फसलों की तुलना में जीएम उत्पाद मानव स्वास्थ्य के लिए कोई जोखिम पैदा नहीं करते हैं और न ही वे स्पष्ट रूप से किसी पर्यावरणीय समस्या का कारण बनते हैं। यहां तक कि भारत सरकार द्वारा भी संसद में बयान दिया जा चुका है कि जीएम सुरक्षित हैं।

पूजन कक्ष से जुड़े वास्तु के नियम

आस्था और विश्वास के साथ जब हम अपने घर में ईश्वर को स्थान देते हैं, तो परिवार के लिए सुख-समृद्धि की कामना भी करते हैं। घर पर देवी-देवताओं की कृपा बनी रहे, पूजा-पाठ का पूर्ण लाभ मिल सके इसके लिए आवश्यक है कि पूजाघर वास्तु नियमों के अनुसार होना चाहिए अन्यथा गलत दिशा में की गई पूजा से लाभ होने की बजाय आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। मानसिक स्पष्टता और प्रज्ञा की दिशा उत्तर-पूर्व (ईशान) पूजा करने के लिए आदर्श स्थान है क्योंकि यह कोण पूर्व एवं उत्तर दिशा के शुभ प्रभावों से युक्त होता है। घर के इसी क्षेत्र में सत्व ऊर्जा का प्रभाव शत-प्रतिशत होता है।

पूजा करते समय मुख की दिशा

सामान्य तौर पर पूजा करते वक्त मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर करना चाहिए। वास्तु ग्रंथों में कहा गया है कि धन प्राप्ति के लिए उत्तर दिशा एवं ज्ञान प्राप्ति के लिए पूर्व दिशा की ओर मुख करके की गई पूजा चमत्कारिक लाभ देती है।

किस देवता के लिए कौनसी दिशा

प्रत्येक दिशा के अपने देवता हैं जो उस दिशा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए उस क्षेत्र के देवता का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उस दिशा विशेष में ही पूजा करना उत्तम रहता है,जैसे देवी माँ और हनुमान जी की पूजा दक्षिण दिशा में,धन की दिशा उत्तर में गणेश,लक्ष्मी जी एवं कुबेर की व उत्तर-पूर्व दिशा में शिव परिवार,राधा-कृष्ण और पूर्व दिशा में श्री राम दरबार,भगवान विष्णु की आराधना एवं सूर्य उपासना करने से परिवार में सौभाग्य की वृद्धि होती है।शिक्षा की दिशा पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में विद्यादायिनी माँ सरस्वती की पूजा करने से ज्ञान में वृद्धि होती है।पश्चिम दिशा में गुरु,महावीर स्वामी,भगवान बुद्ध,जीसस की पूजा शुभ फल प्रदान करती है।संबंधों और जुड़ाव की दिशा दक्षिण-पश्चिम में पूर्वजों की पूजा सुख-समृद्धि प्रदान करेगी।

पूजा के नियम

पूजा स्थल में सुबह -शाम नियमित रूप से दीपक जलाना एवं शंख ज़रूर रखना चाहिए। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होकर परिवार में सुख-सौहार्द का वातावरण बनेगा। कभी भी सूखे हुए पुष्प पूजा घर में न रखें, वास्तु में इसे शुभ नहीं माना गया है। पूजा घर में किसी भी प्रकार सात्विक रंग जैसे हल्का हरा,पीला,जामुनी या क्रीम रंग का यहां प्रयोग करने से मन को शांति मिलती है।

इन बातों का रखें ध्यान

- पूजाघर के नीचे या ऊपर शौचालय नहीं होना चाहिए।
- पूजाघर में महाभारत की प्रतिमाएं,प्राणी तथा पक्षियों के चित्र नहीं होने चाहिए। दिवंगतों की तस्वीरें भी यहां नहीं रखे।
- पूजाघर में धन-संपत्ति छुपाकर रखना शुभ नहीं माना गया है।
- यहां पर कोई भी खंडित तस्वीर या मूर्ति नहीं होनी चाहिए।
- दक्षिण-पश्चिम की दिशा में निर्मित कमरे का प्रयोग पूजा-अर्चना के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

हार्ट अटैक की ऐसे करें पहचान..

आजकल हार्ट अटैक तेजी से युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। हार्ट अटैक एक गंभीर बीमारी है जिसमें दिल की धमनियां अचानक ब्लॉक हो जाती हैं। पहले यह समस्या केवल 40-50 साल की उम्र के बाद ही देखने को मिलती थी, लेकिन आजकल 30 साल से भी कम उम्र के बहुत से युवा इसके शिकार हो रहे हैं। इसके पीछे खराब लाइफस्टाइल, तनाव भरी जिंदगी और गलत खान-पान जैसे कई कारण हैं,लेकिन कई बार हमारे शरीर में कुछ बदलाव होते हैं, लेकिन हम होनें इग्नोर कर देते हैं लेकिन यह बदलाव हार्ट अटैक जैसी जानलेवा बीमारी की शुरुआती संकेत हो सकते हैं आइए जानते हैं यहां...

सीने में दर्द होना

हार्ट अटैक में सीने में जो दर्द होता है वह काफी तेज और लगातार चलने वाला होता है। यह दर्द आमतौर पर छाती के भीतरी हिस्से में होता है।सांस लेने चलने पर भी दर्द हो रहा है तो समझना चाहिए यह हार्ट अटैक का संकेत हैं ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

थकान महसूस होना

अगर आप बिना किसी फिजिकल एक्टिविटी के भी बहुत थकान महसूस कर रहे हैं। यह हार्ट के पहले का संकेत हो सकता है। कई बार जरा से काम करने के बाद सीढ़ियां चढ़ने या थोड़ी दूर चलने पर सांस लेने में तकलीफ होने लगता है ऐसे में यह हार्ट अटैक के पहले का संकेत हो सकता है। ऐसा महसूस होतो तुरंत डॉक्टर से दिखाएं।

बायां हिस्से में कमजोरी

हार्ट अटैक की शुरुआत में शरीर के बाएं हिस्से में कमजोरी का अहसास होना एक आम लक्षण है। बिना किसी वजह के बाएं हाथ, कंधे या जबड़े में कमजोरी या दर्द महसूस हो तो इसे हल्के में न लें।

तेज पसीना आना

हार्ट अटैक से पहले कई बार शरीर में कुछ असामान्य लक्षण दिखाई देने लगते हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इनमें से एक है - बिना किसी वजह के तेज पसीना आना। यदि आपको बैठे-बैठे, सोते समय या फिर कम गर्मी में भी अचानक तेज पसीना आने लगे, तो इसे हल्के में न लें। कई बार हार्ट अटैक से पहले शरीर से तेज़पसीना आना इसका एक संकेत हो होता है। ऐसी स्थिति में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें और जांच कराएं। समय रहते इलाज से हार्ट अटैक होने से बचा जा सकता है।

सर्दियों में करें ज्यादा से ज्यादा घी का इस्तेमाल

डॉक्टर से लेकर हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक सर्दियों में ज्यादा से ज्यादा घी का इस्तेमाल अपने खाने में करना चाहिए। अक्सर यह बात कहा जाता है कि 1 चम्मच देसी घी आपको कई तरह की बीमारियों से दूर रखती है। सिर्फ इतना ही नहीं गुनगुने पानी में घी डालकर पीने से मोटापा तो कम होता ही है साथ पेट भी साफ रहता है यानि कब्ज की समस्या से भी निजात मिलता है। इन सब के अलावा सर्दी-खांसी और फ्लू जैसी सीजनल बीमारियों में भी आराम मिलता है। आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताएंगे कि सर्दियों में घी का इस्तेमाल किस तरह से करना चाहिए साथ ही जानेंगे इसे पीने का सही वक्त क्या है?

आजकल की मॉर्डन लाइफस्टाइल हमें हमारी पुरानी चीजों से दूर लेती चली जा रही है। अब की यंग जेनरेशन इसलिए घी नहीं खाती है,क्योंकि वह आधा से ज्यादा वक्त डाइटिंग पर रहते हैं या उन्हें लगता है कि वह घी खाएंगे तो मोटे हो जाएंगे। अब सवाल यह उठता है कि घी को डाइट में शामिल करना चाहिए या नहीं? अधिकतर लोगों को ऐसा लगता है कि घी खाने से मोटे हो जाएंगे। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह बहुत बड़ा मिथ है। घी खाने से आप बिल्कुल भी मोटे नहीं होंगे। हद से ज्यादा घी वजन बढ़ाता है तो यह वजन घटाने के भी काम आता है। अगर आपको घी का भरपूर फायदा उठाना है तो आपको इसके इस्तेमाल करने का तरीका बदलना होगा। घी का भरपूर फायदा उठाना है तो इसे आप गुनगुने पानी के साथ इस्तेमाल करें।

सबसे पहले सुबह उठकर एक गिलास गुनगुना पानी लें उसमें एक चम्मच देसी घी मिलाकर पी लें। इसे पीने से कब्ज की समस्या से निजात मिलेगा साथ ही पाचन भी बेहतर होता है। सिर्फ इतना ही नहीं आपको त्वचा के ग्लो में भी फर्क दिखने लगेगा।

गुनगुने पानी में घी डालकर पीने के फायदे

कब्ज की समस्या से निजात

जिन लोगों को अक्सर कब्ज की शिकायत होती है उन्हें तो गुनगुने पानी में देसी घी मिलाकर जरूर पीना चाहिए। इससे बड़ी और छोटी दोनों आंत की ड्राईनेस खत्म होती है।और पाचन क्रिया बेहतर होता है।

आंखों के लिए है फायदेमंद

देसी घी आंखों, स्किन, पेट और बाल सभी के लिए काफी अच्छा होता है। यह कूलिंग एजेंट की तरह काम करता है। देसी घी में ओमेगा-3 होता है जो आंखों की रोशनी बढ़ाने का काम करती है। आई ड्राईनेस को भी कम करता है। इसलिए गुनगुने पानी में पीने से फायदा मिलता है।

त्वचा के लिए होता है अच्छा

देसी घी पीने से ग्लोइंग स्किन होता है। आपकी स्किन की ड्राईनेस अंदर से कम करती है। गुनगुने पानी में घी डालकर पीने से आंत अंदर से साफ होती है। साथ ही साथ बॉडी में जमा टॉक्सिक बाहर निकलता है। जिसके कारण स्किन ग्लो करता है।

कोल्ड और कफ की समस्या से निजात

रोजाना खाली पेट गुनगुना पानी में घी मिलाकर पीने से सर्दियों में होने वाले कोल्ड-कफ की समस्या से निजात मिलता है। देसी घी और गर्म पानी साथ में मिलकर नाक, गले और छाती में होने वाले इंफेक्शन को दूर करता है।

विंटर डिप्रेशन से बचने के उपाय

ठंड के साथ शरीर में आलस बढ़ता है। जब-जब मौसम में बदलाव होता है तो उसका असर मूड पर भी पड़ता है। कुछ लोगों में ये डिप्रेशन का रूप ले सकता है। दरअसल, सर्दियों में कई-कई दिनों तक धूप के दर्शन नहीं होते हैं। इसका सीधा असर हमारे मूड पर पड़ता है। इस दौरान बहुत से लोगों में चिड़चिड़ापन आने लगता है, उन्हें उदासी घेर लेती है और बात-बात पर गुस्सा आने लगता है। इसे विंटर डिप्रेशन कहा जाता है। एक स्टडी के अनुसार, ऐसा सूर्य की रोशनी की वजह से होता है, क्योंकि इसका मूड से गहरा नाता होता है। यही कारण है कि सर्दी के दिनों में धूप खिलने पर मूड अच्छा हो जाता है और धूप न निकलने पर मूड बिगड़ जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं क्या है विंटर डिप्रेशन और इससे बचने के उपाय..

विंटर डिप्रेशन और इसका कारण

सर्दियों में हमारी बॉडी की बायोलॉजिलक क्लॉक में बदलाव होना काफी कॉमन होता है। कम धूप की वजह से सेरोटोनिन लेवल में कमी आ जाती है, जिससे विंटर डिप्रेशन की समस्या होती है। हमारे देश में हर साल ठंड के मौसम में करीब 1 करोड़ लोग विंटर डिप्रेशन की चपेट में आते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुबह की धूप दिमाग के जागने और अलर्ट रहने के लिए बहुत ही ज्यादा आवश्यक होता है।

सुबह की धूप क्यों जरूरी

सर्दियों में सुबह की धूप जरूरी मानी जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे दिमाग से स्ट्रेस हॉर्मोन कॉर्टिसॉल रिलीज होता है, जो हमें जागने और अलर्ट रहने के लिए तैयार करता है। सुबह की धूप से हेल्दी कॉर्टिसॉल शरीर को मिल जाता है और डिप्रेशन से बचाव होता है। सुबह की धूप से हैप्पी हॉर्मोन डोपामाइन भी निकलता है, जिससे मन खुश होता है। इससे मन मोटिवेट भी रहता है।

विंटर डिप्रेशन से बचने के लिए क्या करें

सर्दी के मौसम में सुबह की धूप सेहत के लिए अच्छी मानी जाती है। यह मानसिक सेहत के लिए भी बेहतर होती है। सर्दियों में धूप से बचने की बजाय धूप में कुछ देर बितना चाहिए। खुली जगह धूप में बैठने से शरीर में विटामिन डी की कमी नहीं होगी और सीजनर अफेक्टिव डिसऑर्डर जैसे थकान, चिड़चिड़ापन, सुस्ती और मूड स्विंग से भी बच सकते हैं।

हेल्थ को दुरूस्त रखने के टिप्स

हम हमेशा अपनी शारीरिक हेल्थ का ज्यादा ध्यान रखते है लेकिन हम भूल जाते है कि हमारी मेंटल हेल्थ भी हमारे लिए उतनी ही जरूरी है जितनी कि शारीरिक हेल्थ। इसलिए उसको दुरूस्त रखना भी उतना ही ज्यादा जरूरी है जितनी की फिजिकल हेल्थ को रखना। हालांकि दोनों अलग अलग नहीं है। अगर हम एक हेल्दी रूटीन फॉलो करें तो हमारी शारीरिक और मानसिक दोनों ही हेल्थ बढ़िया रहेंगी। तो चलिए एक्सपर्ट से जानते है कि वो कौन से आदतें हैं जिन्हें हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में जोड़कर अपने ब्रेन फंक्शन और मेंटल हेल्थ को दुरूस्त रख सकते हैं।

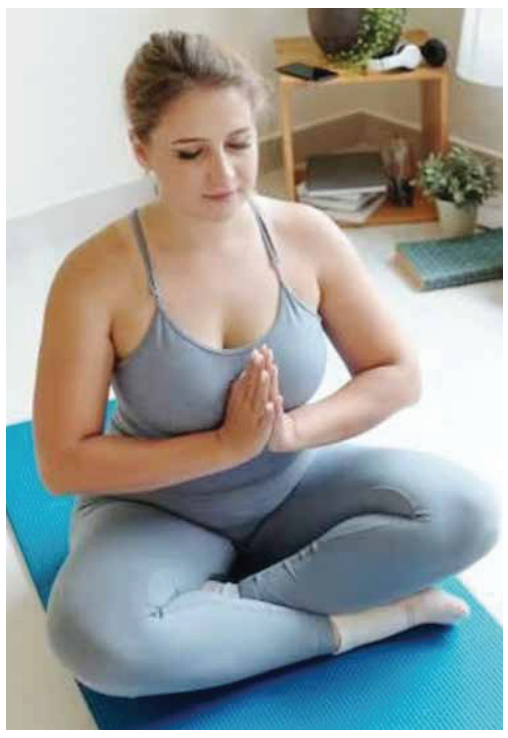

1.पर्याप्त नींद लें :- एक साउंड स्लीप आपके मांइड को सबसे ज्यादा रिलेक्स करती है। डॉक्टर के मुताबिक सही समय पर सोना और सही समय पर जागना आपकी मेंटल हेल्थ पर डायरेक्ट इम्पैक्ट डालता है। इसलिए एक निश्चित समय पर सोने का रूटीन बनाएं और बिना रूकावट वाली 6-8 घंटे की नींद अवश्य लें। आपका माइंड जितना रिलैक्स होगा वो उतना बेहतर परफार्म करेगा। इससे आपका दिमाग फोक्सड होता है और आपकी एकाग्रता बढ़ती है जिससे आप अच्छा परफार्म करते हैं।

2. रोजाना एक्सरसाइज करें :- रोजाना एक्सरसाइज का नियम आपको शारीरिक रूप से हेल्दी रखने के साथ साथ आपको मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। रोजाना 15 से 30 मिनट की वॉक या एक्सरसाइज से आपकी मेंटल हेल्थ दुरूस्त रहती है। जब आप एक्सरसाइज करते है तो आपकी बॉडी में हैप्पी हार्मोंस जनरेट होते है जिससे आप शांत और स्वस्थ महसूस करते हैं।

3. हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट लें :- डॉक्टर ने बैलेंस्ड और शांत दिमाग के लिए बैलेंस्ड और हेल्दी डाइट को जरूरी बताया है। जैसा कि कहा जाता है जैसा आपका अन्न वैसा आपका मन। हमारे शास्त्रों में भी वर्णित है कि हमारे आहार का सीधा असर हमारे मन पर पड़ता है। इसलिए सात्विक और हेल्दी खाना खाएं ताकि आपका दिमाग शांत और टेंशन फ्री रहें।

4. नशे से दूर रहें :- डॉक्टर के अनुसार किसी भी तरह के नशे की आदत आपकी मेंटल हेल्थ को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। इसलिए हमें किसी भी तरह की नशे की लत से बचना चाहिए।

5. सोशल कनेक्ट बनाएं :- अगर आप अपने दोस्तों, परिवारजनों और रिश्तेदारों से जितना अच्छा कनेक्ट रहते है आपकी मेंटल हेल्थ उतनी ही अच्छी रहती है। इसलिए लोगों से बात कीजिए और अपनी बात को शेयर कीजिए। क्योंकि बातें शेयर करने से आपका मन हल्का होता है और शांत महसूस करते हैं।

बच्चे को जिम्मेदारी सिखाने के तरीके

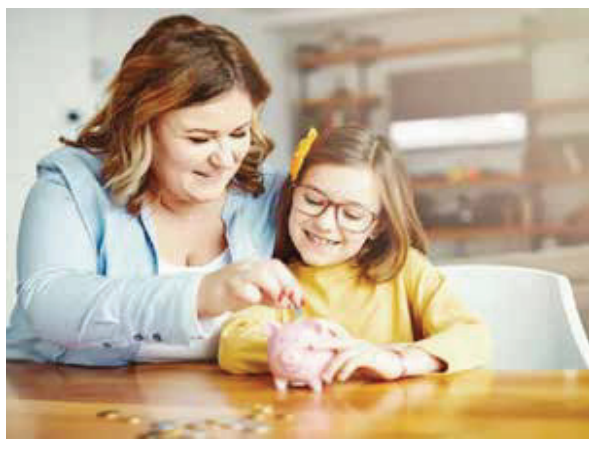

छोटे बच्चे मासूम होते हैं और उनके नन्हें कंधे भारी जिम्मेदारियां निभाने के लिए जल्दी तैयार नहीं होते हैं, लेकिन बचपन से ही जब हम बच्चों को उदाहरण देकर जिम्मेदारी लेना सिखाएंगे तो वे बड़े होने तक निर्भीक और आत्मविश्वास भरा जीवन जीने में सक्षम होंगे। कुछ बच्चे जिद कर के अपने पेरेंट्स की बात नहीं सुनते हैं और हर काम में लापरवाही बरतते हैं। कोई भी पैरेंट ये नहीं चाहता कि उनका बच्चा लापरवाह रहे, वे हर वो प्रयास करते हैं जिससे उनका बच्चा जिम्मेदार बन जाए। आइए जानते हैं कि कैसे कुछ आसान तरकीब अपना कर आप अपने बच्चे को बना सकते हैं जिम्मेदार और काबिल :

-बच्चे को इस उम्मीद और विचार से बड़ा करें कि हम जो गंदगी फैलाते हैं, उसे खुद ही साफ करना पड़ता है। बच्चे को जिम्मेदारी सिखाने की ये सबसे पहली सीढ़ी हो सकती है।

-बच्चे को अपने काम खुद करने की आदत डालें। शुरुआत करें ब्रश करवाने से। पहले उन्हें खुद ही ब्रश करने को बोलें। साथ सीखते जाएंगे और जिम्मेदारी से अपने सभी काम करने लगेंगे।

-बच्चों की तारीफ करें। जब भी वे एक छोटा-सा भी काम खुद से बिना बोले करें तो उनकी तारीफ करें। ये सोचना गलत है कि तारीफ करने से बच्चे बिगड़ जाते हैं। बल्कि तारीफ करने से बच्चे और भी जिम्मेदारी उठाने के लिए प्रेरित होते हैं और साथ ही उनमें और भी काबिल बनने की इच्छा उत्पन्न होती है।

-एक साथ कई काम न दें। जब आप बच्चे पर एकसाथ कई कामों की जिम्मेदारी थोपने की कोशिश करते हैं और फिर उनसे उम्मीद करते हैं कि वे सबकुछ अच्छे से करें, तो ये आपकी अतिश्योक्ति उम्मीद है।

-अपनी उम्मीदों को सीमित रखें। छोटे-छोटे काम करने को दें और उनके सभी छोटे बड़े प्रयासों की सराहना करें। एक साथ कई काम देख कर वे घबरा सकते हैं या काम से ऊब सकते हैं जिससे वे जिम्मेदार नहीं बनते।

जब वे कर लें, तब भले ही एक बार चेक करके आप सफाई की तसल्ली कर लें।

-इसी तरह धीरे-धीरे उन्हें अपने कपड़े फोल्ड करने को बोलें, उसे अपने कपबर्ड में रखना सिखाएं। ऐसी छोटी आदतों से ही वे बड़े-बड़े काम भी उम्र के

सैलरी को सही से मैनेज करने के कुछ टिप्स

आजकल लोग चाहे जितनी भी कमाई कर लें उन्हें कम ही पड़ती है। दरअसल समय के साथ-साथ लोगों की जरूरतें भी उस हिसाब से बढ़ने लगती हैं और महंगाई के हाल से तो सब वाकिफ ही हैं। ऐसे में सभी को अपने सैलरी को सही से मैनेज करना आना चाहिए। चलिए जानते हैं पैसे को सही से मैनेज करने के कुछ टिप्स के बारे में..

बजट तैयार

अगर आप अपने खर्चों को मैनेज करना चाहते है तो बजट बनाना सबसे ज्यादा जरूरी है। इसके लिए आपको अपनी इनकम और खर्चों पर नजर रखने से शुरुआत करें। फिर किराने का सामान। बिजली और पानी के बिल, मनोरंजन और बचत अलग अलग बात कर खर्च तैयार करना चाहिए।

अपने खर्चों को सीमित करें

अनावश्यक खर्च से बचना भी जरूरी है। इसके लिए आप गैर-जरूरी चीजों में कटौती कर सकते

हैं बल्कि उसकी जगह आप सस्ता विकल्प ढूंढें।

अकेले ज्यादा ना खर्च

अगर आप दोस्तों के साथ घूमने और पार्टी करने के शौकीन हैं तो आप सभी दोस्तों में खर्चा बराबर बांटे, जिससे आप एंजॉय और बचत दोनों ही साथ में आसानी से कर सकते हैं।

50-30-20 रूल

इस रूल का मतलब कमाई-खर्च और बचत से होता है। यानी जितने रुपए आप कमाते हैं उसमें से 50 प्रतिशत हिस्सा घर-परिवार की जरूरतों में खर्च हो जाता है। उसमें से बचे 50 प्रतिशत को आपको सही से मैनेज करना होता है। जिसमें से 30 प्रतिशत आप अपने शौक जैसे कि शॉपिंग और पार्टी के लिए उपयोग कर सकते हो। फिर बचा 20 प्रतिशत जिसे आपको जरूर बचाना है। आपको भविष्य में इससे रुपए को मैनेज करने में बहुत मदद मिलेगी।

रोहित के बाद अब सूर्या के कप्तानी पर भी आ सकता है संकट? इस दिग्गज ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने एक बड़ा फैसला लेते हुए 26 वर्षीय शुभमन गिल को वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। गिल को रोहित शर्मा की जगह वनडे कप्तानी सौंपी गई है, जिसने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने इस फैसले को 'मास्टरस्ट्रोक' करार देते हुए गिल को एक 'नैचुरल लीडर' बताया है, जो जिम्मेदारी मिलने पर अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को सामने लाते हैं। गिल की पहली चुनौती 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी।

BCCI का बड़ा फैसला: रोहित से छिनी कप्तानी

BCCI के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इस बदलाव की जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने खुद रोहित शर्मा को सूचित किया कि बोर्ड ने उन्हें वनडे कप्तानी से मुक्त करने का निर्णय लिया है। अगरकर ने कहा, 'हमने रोहित से बात की और उन्हें बताया कि शुभमन गिल को उनका उत्तराधिकारी बनाया गया है। यह फैसला भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है।' गिल अब 2027 विश्व कप की तैयारियों के लिए भारतीय वनडे टीम का नेतृत्व करेंगे।

मोंटी पनेसर ने की तारीफ

मोंटी पनेसर ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए इस फैसले की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह एक शानदार निर्णय है। गिल ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। रोहित शर्मा की मौजूदगी में उन्हें कप्तान बनाना समझदारी भरा कदम है, क्योंकि रोहित उन्हें मार्गदर्शन दे सकते हैं। हमने इंग्लैंड में देखा है कि गिल एक नैचुरल लीडर हैं।'

पनेसर ने आगे कहा, 'जब आप गिल को जिम्मेदारी देते हैं, तो उनका सर्वश्रेष्ठ रूप सामने आता है। मुझे यकीन है कि इस वनडे सीरीज में हम उनका बेहतरीन प्रदर्शन देखेंगे। यह मेरे लिए आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर भविष्य में उन्हें टी20आई कप्तानी भी सौंपी जाए, क्योंकि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो जिम्मेदारी मिलने पर और निखरते हैं।'

गिल का फोकस: 2027 विश्व कप

शुभमन गिल ने कप्तानी मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, ÷मेरे लिए यह एक बड़ा सम्मान है। मेरा पूरा ध्यान भविष्य और 2027 विश्व कप पर है। हम अगले कुछ सालों में लगभग 20 वनडे मैच खेलेंगे, और हमारा लक्ष्य एक मजबूत और संतुलित टीम तैयार करना है।÷ गिल ने यह भी बताया कि वह रोहित शर्मा और अन्य सीनियर खिलाड़ियों के अनुभव का लाभ उठाएंगे।

क्रिकेट जगत में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

गिल को कप्तान बनाए जाने के फैसले ने क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच मिली-जुली प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं। जहां कुछ फैन्स और पूर्व खिलाड़ी इस बदलाव से हैरान हैं, वहीं कई लोग इसे भविष्य की रणनीति का

हिस्सा मान रहे हैं। गिल की युवा ऊर्जा और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को देखते हुए यह फैसला भारत के लिए नई दिशा तय कर सकता है।

गिल का रिकॉर्ड

26 साल के शुभमन गिल ने अब तक 44 वनडे मैचों में 2271 रन बनाए हैं, जिसमें 6 शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 61.37 और स्ट्राइक रेट 103.46 है, जो उनकी निरंतरता और आक्रामकता को दर्शाता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों पर सभी की नजरें रहेंगी।

क्या गिल इस नई जिम्मेदारी के साथ भारतीय वनडे क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे? इसके लिए प्रशंसकों को 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली सीरीज का इंतजार है। अधिक अपडेट्स के लिए बने रहें।

टेनिस प्रीमियर लीग: बोपन्ना, डार्डेरी और मौटेट टीपीए के सातवें सत्र में पेश करेंगे चुनौती

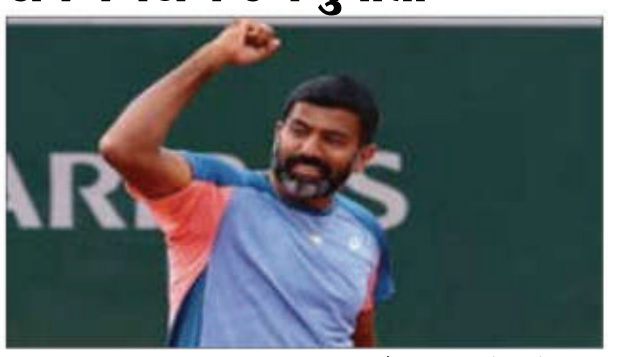

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और विश्व के 29वें नंबर के खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी सहित शीर्ष-50 रैंकिंग में शामिल कम से कम तीन एकल खिलाड़ी नौ दिसंबर से अहमदाबाद में शुरू हो रही टेनिस प्रीमियर लीग (TPL) के सातवें सत्र में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

विश्व के 38वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट और उनके हमवतन विश्व के 39वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर मुलर इस लीग में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ शामिल होंगे जिसकी नीलामी नौ अक्टूबर को मुंबई में होगी। दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन बोपन्ना ने पिछले साल टीपीएल में पदार्पण किया था। वह एसजी पाइपर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व करेंगे। इटली के डार्डेरी राजस्थान रेंजर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे जबकि मौटेट गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। मुलर और आर्थर रिंडरकनेच (विश्व के 54वें नंबर के खिलाड़ी) क्रमशः गुजरात पैंथर्स और हैदराबाद स्ट्राइकर्स की टीम को मजबूत करेंगे। लीग में बोस्निया एवं हर्जेगोविना के दामिर जुम्हुर (पूर्व विश्व नंबर 23, वर्तमान नंबर 67) यश मुंबई ईगल्स और अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी (विश्व नंबर 58) जीएस दिल्ली एसेस का प्रतिनिधित्व करेंगे। चेक गणराज्य के उभरते खिलाड़ी डालिबोर स्वर्सिना (विश्व नंबर 91) चेन्नई स्मैशर्स की टीम का हिस्सा है। टीपीएल के सह-संस्थापक कुणाल ठाकुर ने कहा, 'इस क्षमता वाले खिलाड़ियों को लीग के साथ जोड़ना प्रतिस्पर्धा के स्तर को ही नहीं बढ़ायेगा बल्कि भारतीय टेनिस खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को भी प्रेरित करेगा।'

लंका प्रीमियर लीग में हिस्सा लेंगे भारतीय खिलाड़ी, जल्द होगी नामों की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंका प्रीमियर लीग (LPL) के आयोजकों ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय क्रिकेटर पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे जिसका छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टी20 टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मैच शामिल हैं। ये मैच तीन प्रमुख स्थलों कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रनगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के इस टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद है। उनके नामों की घोषणा जल्द ही की जाएगी जिससे पूरे क्षेत्र के प्रशंसकों में उत्साह का एक नया स्तर जुड़ जाएगा।' इस प्रारूप के अनुसार लीग चरण के दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी एक-दूसरे के खिलाफ दो बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। राउंड रोबिन चरण के अंत में शीर्ष चार में रहने वाली टीम प्लेऑफ में जगह बनाएंगी।

शीर्ष दो टीम क्वालीफायर एक में खेलेंगी जिसका विजेता सीधे फाइनल में जगह बनाएगा। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम एलिमिनेटर में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले का विजेता क्वालीफायर एक में हारने वाली टीम से क्वालीफायर दो में भिड़ेगा जिससे फाइनल में जगह बनाने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा।

गावस्कर ने वनडे कप्तानी में बदलाव पर दी बड़ी प्रतिक्रिया, आने वाली खबरें और भी बुरी हो सकती हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वनडे टीम में बड़ा बदलाव हो चुका है। रोहित शर्मा से कप्तानी की कमान अब शुभमन गिल को सौंप दी गई है, जिससे रोहित के वनडे नेतृत्व का दौर खत्म हो गया। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने इस फैसले की पुष्टि की, जिसके बाद क्रिकेट जगत में चर्चा तेज़ हो गई। हालांकि, टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर ने इस बदलाव को 'आवश्यक कदम' बताया और कहा कि रोहित शर्मा खुद भी इस फैसले से सहमत हैं।

'2027 विश्व कप की तैयारी का हिस्सा है यह बदलाव'

गावस्कर ने कहा कि यह फैसला भारत की 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी को ध्यान में रखकर लिया गया है। 'अगर हम अगले दो सालों का अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर देखें, तो भारत बहुत कम वनडे

खेलेगा। ऐसे में, केवल वनडे खेलने वाले खिलाड़ी के लिए मैच फिट रहना मुश्किल है,' गावस्कर ने स्पोर्ट्स तक से बातचीत में कहा।

'रोहित भी समझते हैं टीम की प्राथमिकता'

गावस्कर के अनुसार, रोहित शर्मा व्यक्तिगत तौर पर इस फैसले से नाराज़ नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'टीम पहले आती है। रोहित ने देश के लिए बहुत कुछ किया है, चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप जिताया। लेकिन अगर हमें दो साल आगे सोचना है, तो एक युवा कप्तान को तैयार करना ही समझदारी है, और रोहित इस बात से पूरी तरह सहमत हैं।'

'आने वाले महीनों में और बुरी खबरें आ सकती हैं'

गावस्कर ने आगे कहा कि यह बदलाव भारतीय टीम प्रबंधन की 'नई दिशा' की शुरुआत है और भविष्य में और बड़े निर्णय लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर कोई खिलाड़ी यह तय नहीं कर पा रहा कि वह अगले दो साल तक वनडे खेलेगा या नहीं, तो उसके लिए टीम में बने रहना मुश्किल हो जाएगा। आने वाले महीनों में कुछ और कड़े फैसले देखने को मिल सकते हैं।'

'रोहित को अब घरेलू क्रिकेट खेलना होगा'

गावस्कर ने यह भी सुझाव दिया कि अगर रोहित वनडे टीम में वापसी चाहते हैं, तो उन्हें विजय हज़ारे ट्रॉफी जैसी घरेलू टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेना चाहिए ताकि मैच फिटनेस बनी रहे। उन्होंने कहा, 'सिर्फ पाँच-सात वनडे से कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता जा सकता, इसके लिए लगातार अभ्यास जरूरी है।'

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के बीमार पड़ने के मामले में बीसीसीआई ने दिया जवाब, खाने में समस्या नहीं : राजीव शुक्ला

कानपुर । भारत दौरे पर आयी ऑस्ट्रेलिया ए क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के बीमार होने के मामले में उठ रहे सवालों को लेकर अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कि अगर टीम होटल के खाने में कोई खराबी होती, तो केवल ऑस्ट्रेलियाई ही नहीं बल्कि भारतीय खिलाड़ी भी बीमार पड़ते। उन्होंने कहा कि चार विदेशी खिलाड़ियों को कही और से संक्रमण हुआ होगा। यह मामला ऑस्ट्रेलिया ए मध्यम तेज गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन की तबियत बिगड़ने के बाद उठा। इस गेंदबाज को तबियत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इस घटना के बाद से ही क्रिकेटरों की सेहत को लेकर चिंता जतायी गयी थी। वहीं शुक्ला ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि खान एक बड़ होटल से आता है और उसमें कोई कमी नहीं पायी गयी है। शुक्ला ने कहा, 'अगर खाने में कोई समस्या होती, तो सभी खिलाड़ी, जिनमें भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हैं, बीमार पड़ते। यह कुछ और ही मामला है। उन्हें एक अच्छे होटल का खाना दिया जा रहा है और साभी वही खाना खा रहे हैं। संक्रमण कहीं और से हुआ होगा।'

युवराज, धोनी को खेलते देखकर सीखी बल्लेबाजी : तेवतिया

मुम्बई। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले बल्लेबाज राहुल तेवतिया ने कहा है कि उन्होंने बल्लेबाजी कौशल युवराज सिंह और महेन्द्र सिहं धोनी को देखकर सीखा है। तेवतिया को युवराज की स्टाइल और शॉट चयन पसंद हैं। वहीं धोनी के उन्होंने अंतिम ओवरो में शांत रहकर मैच समाप्त करने के अंदाज से उन्हें भी प्रेरणा मिली। इससे उन्हें अंदाजा हुआ कि फिनिशर को किस प्रकार बल्लेबाजी करनी चाहिये। तेवतिया ने कहा, 'मैं युवराज की बल्लेबाजी देखते हुए ही यहां तक पहुंचा हूं। वहीं जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब मैंने धोनी की बल्लेबाजी को ध्यान से देखना शुरु कर दिया। इससे मुझे पता चला कि डेथ ओवरों में गेंदबाजों को पर कैसे आक्रामक अंदाज में खेला जा सकता है। इससे मुझे काफी लाभ हुआ।' गौरतलब है कि तेवतिया ने साल 2020 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ एक मैच में एक ओवर में ही पांच छक्के लगा दिये थे। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए साल 2022 में उन्होंने अंतिम दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सत्र में गुजरात की आईपीएल जीत में तेवतिया ने अहम भूमिका निभाई थी। तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में सफलता के लिए स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, 'सफलता या असफलता दोनों में ही समान बने रहना जरुरी है। अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो दुख होना स्वाभाविक है पर हमारा असली ध्यान परिणाम की जगह पर प्रक्रिया और तैयारी पर रहना चाहिए।' गौरतलब है कि तेवतिया ने अब तक 14 प्रथम श्रेणी मैचों में 535 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 144 है। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 32 विकेट लिए हैं,

प्रमोद भगत ने अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा, अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में जीते तीन गोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने 30 सितंबर से पांच अक्टूबर तक नाइजीरिया के अबिया में हुए पहले अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में तीन खिताब जीतकर अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा। 37 वर्षीय पैरा खिलाड़ी भगत ने तोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन तीन बार अपने स्थान की जानकारी देने से संबंधित चूक के कारण पेरिस पैरालंपिक से बाहर हो गए थे।

भगत ने फाइनल में हमवतन मंटू कुमार को 21-7, 9-21, 21-9 से कड़ी टक्कर देते हुए पुरुष एकल एसएल3 का खिताब जीता। अठारह महीने के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए चाइना पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल जीतने वाले भगत ने दूसरा गेम हारने के बाद मजबूती से वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता

जिसमें उन्होंने पेरू के गेर्सन जेयर वर्गास लोस्टानौल और डायना रोजास गोलाक को 21-13, 21-17 से हराया। भगत को तीसरा खिताब मिश्रित युगल (एसएल3-एसयू5) में मिला जिसमें उन्होंने आरती पाटिल के साथ मिलकर एक और करीबी फाइनल जीता। भगत ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना और भारत को गौरव दिलाना हमेशा खास होता है।' युगल में भगत के साथी सुकांत कदम ने कहा, 'प्रमोद के साथ खेलना मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। कोर्ट पर हमारी समझ हर मैच के साथ मजबूत हो गई है। इस जीत से आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा।'

इस बीच रणजीत सिंह ने तीन कांस्य पदक जीते। उन्होंने पुरुष एकल डब्ल्यूएच1, पुरुष युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (परमजीत सिंह के साथ) और मिश्रित युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (शबाना के साथ) में तीसरा स्थान हासिल किया। नुरुल हुसैन खान ने पुरुष एकल डब्ल्यूएच2 में रजत पदक जीता जबकि उमा सरकार ने महिला एकल एसएल3 में रजत पदक हासिल किया। सरकार ने आरती के साथ मिलकर महिला युगल एसएल3-एसयू5 में कांस्य पदक भी जीता। अन्य नतीजों में नीलेश गायकवाड़ (पुरुष एसएल4) और कनक सिंह जादौन (महिला एसएल4) ने कांस्य पदक जीते। पुरुष एकल एसयू5 में भारत के लिए करण पनीर, राहुल विमल और सतीवाड़ा ने क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया।

विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर होंगे स्टैंड

-12 अक्टूबर को होगा उद्घाटन

विशाखापत्तनम । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज और पूर्व क्रिकेटर रवि कल्पना के नाम पर अब विशाखापत्तनम क्रिकेट स्टेडियम के दो स्टैंड होंगे। इन दोनो के नाम के स्टैंड का उद्घाटन 12 अक्टूबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले महिला विश्व कप मैच में किया जाएगा। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना के अनुरोध के बाद ही स्टैंड के नाम मिताली और कल्पना के नाम पर रखे जाने का फैसला लिया गया है। मंधाना की अपील पर मंत्री नारा लोकेश ने आंध्र क्रिकेट संघ से सलाह के बाद विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर स्टैंड के नाम रखे जाने का फैसला लिया। मंत्री नारा लोकेश ने कहा की मंधाना के सुझाव पर अमल महिला क्रिकेट की इन हस्तियों को सम्मानित करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे में अब आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से पहले 12 अक्टूबर को मिताली राज स्टैंड और रवि कल्पना स्टैंड का उद्घाटन करेगा।स्टैंड का नाम बदलने से महिला क्रिकेटर्स के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ ही खेल में उनके योगदान को भी महत्व देना है। इससे उभरती प्रतिभाओं को भी महिला क्रिकेट को एक पेशे के रूप में अपनाने की प्रेरणा भी मिलेगी।राज ने अपने करियर में 12 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 1 शतक और 4 अर्धशतकों के साथ 699 रन बनाए। इसके अलावा, उन्होंने 232 वनडे मुकाबलों में 7 शतकों और 64 अर्धशतकों के साथ कुल 7,805 रन बनाये। 89 टी20 मुकाबलों में मिताली ने 2,364 रन निकले।वहीं आंध्र प्रदेश की कल्पना ने बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के साथ ही सात एकदिवसीय भी खेले।

सोफी डिवाइन ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, महिला विश्व कप में ये कमाल करने वाली 10वीं खिलाड़ी बनीं

इंदौर (मध्य प्रदेश)। न्यूजीलैंड के लिए अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही न्यूजीलैंड की बल्लेबाज सोफी डिवाइन ने आईसीसी महिला विश्व कप के इतिहास में 10वीं सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ियों में जगह बनाकर एक यादगार प्रदर्शन किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी टीम के पहले पारी में 47.5 ओवर में 231 रन के स्कोर के दौरान डिवाइन ने 98 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 86.73 के स्ट्राइक रेट से 85 रन बनाए। उन्होंने अब तक 27 विश्व कप मैचों और 24 पारियों में 37.65 की औसत और 94 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 866 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 145 रन है। वह विश्व कप इतिहास में 10वीं सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। न्यूजीलैंड की दिग्गज डेबी हॉकले 45 मैचों और 43 पारियों में 42.88 की औसत से 1,501 रन बनाकर शीर्ष पर हैं, जिसमें दो शतक और 10 अर्द्धशतक और 100* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है, उसके बाद भारत की मिताली राज (38 मैचों में 36 पारियों में 47.17 की औसत से 1,328 रन, दो शतक और 11 अर्द्धशतक) और इंग्लैंड की जेनेट ब्रिटिन (36 मैचों और 35 पारियों में 43.30 की औसत से 1,299 रन, चार शतक और तीन अर्द्धशतक) का स्थान है। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में एक साहसी और संघर्षपूर्ण शतक बनाने के बाद 36 वर्षीय डिवाइन 2025 के संस्करण में अब तक की सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं जिन्होंने दो पारियों में 98.50 की औसत से 197 रन बनाए हैं।

सफी बांग्लादेश के खिलाफ अफगानिस्तान की वनडे सीरीज से बाहर, सामी को मिली जगह

अबू धाबी । अफगानिस्तान के युवा दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सलीम सफी कमर (एडक्टर) में खिंचाव के कारण बांग्लादेश के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने सोमवार को यह जानकारी दी। सफी ने अफगानिस्तान के लिए एक टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के अलावा दो वनडे मैच भी खेले हैं। उनकी अनुपस्थिति में, तेज गेंदबाज बिलाल सामी, जिन्होंने अब तक एक वनडे खेला है, को रिजर्व पूल से अफगानिस्तान की मुख्य टीम में शामिल किया गया है। यह सीरीज क्रमशः 8, 11 और 14 अक्टूबर को शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। ACB ने अपने बयान में आगे कहा, 'टीम के फिजियो का मानना है कि वह इस बुधवार को होने वाले पहले वनडे के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। सलीम ACB के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में तब तक अपना रिहैबिलिटेशन जारी रखेंगे जब तक वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते और राष्ट्रीय टीम में फिर से शामिल नहीं हो जाते।' शारजाह में बांग्लादेश से टी20आई श्रृंखला 3-0 से हारने के बाद अफगानिस्तान के लिए कुछ जीत हासिल करने के लिए वनडे श्रृंखला महत्वपूर्ण होगी। रविवार को दोनों टीमों के बीच अंतिम टी20आई में, पहले बल्लेबाजी करने के लिए भेजी गई अफगानिस्तान ने अपनी पूरी पारी के दौरान गति बनाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए, जब तक कि दरवेश रसूली (32) और मुजीब उर रहमान के देर से आए उछाल ने उन्हें निर्धारित 20 ओवरों में 143/9 तक नहीं पहुंचा दिया।

महिला विश्व कप: पाकिस्तान पर जीत के बाद हरमनप्रीत कौर ने पिच को लेकर किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलंबो -भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एकदिवसीय विश्वकप 2025 में लगातार दूसरी दर्ज करने के बाद कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी। पाकिस्तान को 88 रनों से हराने के बाद हरमनप्रीत ने कहा, 'सच कहूं तो बल्लेबाजी करने के लिए पिच आसान नहीं थी। हम बस लंबे समय तक खेलना चाहते थे और देखना चाहते थे कि कितने रन बन सकते हैं। जब हमने यहां मई में त्रिकोणीय सीरीज खेली थी, तब पिचें अलग थीं। लेकिन पिछले दो दिनों की बारिश के कारण पिच थोड़ा रुक रही थी। मुख्य बात यह थी कि अंत तक विकेट बचाकर रखें, ताकि योजनाओं को लागू किया जा सकें।'

उन्होंने कहा, 'सुधार करने के लिए बहुत से क्षेत्र हैं लेकिन अभी मैं खुश हूं कि हम ये मैच जीते। हम बस उसी गति से आगे बढ़ना चाहते हैं। अब हम भारत लौटेंगे, जहां हमें पता है कि पिचें कैसी होंगी। देखते हैं कि हम कौन सा सबसे अच्छा कॉम्बिनेशन बना सकते हैं और कैसे रोज थोड़ा-थोड़ा बेहतर हो सकते हैं।'

श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच की तरह ही भारत की निचली क्रम की बल्लेबाजी ने टीम को बचाया और चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। बल्लेबाजी के दौरान भारत लय पाने के लिए संघर्ष करता रहा। एक समय भारत का स्कोर 203 रन पर 7 विकेट था और टीम ऑलआउट होने की कगार पर थी, लेकिन ऋचा घोष के नाबाद 35 रन (20 गेंद) ने स्कोर को 247 तक पहुंचा दिया। इसके बाद तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने शुरुआती विकेट लिए। फिर बाकी का बचा काम दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने किया।

गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने शुरुआती 10 ओवरों में ही दो विकेट लेकर पाकिस्तान को पीछे धकेल दिया। गौड़ ने बहुत तेज गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए नई गेंद को इधर-उधर घुमाया और पिच से मिलने वाली उछाल से बल्लेबाजो को परेशान किया। भारत का क्षेत्ररक्षण निराशाजनक रहा। उन्होंने चार कैच छोड़े, जिनमें से तीन पाकिस्तान की शीर्ष स्कोरर सिदरा अमीन के थे। अब भारत अपने अगले दो मैच दक्षिण अफ्रीका से नौ अक्टूबर और ऑस्ट्रेलिया से 12 अक्टूबर को विशाखापट्टनम में भिड़ेगा।

मिलने वाली थी छुट्टी, मिल गई मौत सीकर के पिंटू और आगरा के सर्वेश के परिजनों ने बताई अग्निकांड की दर्दभरी कहानी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

रविवार की रात को राजस्थान के लोग कभी नहीं भुला पाएंगे। यह रात प्रदेश को ऐसा जख्म दे गई जिसे भुलाना आसान नहीं होगा। प्रदेश का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल जहां उत्तर भारत के कई राज्यों के लोग इलाज के लिए आते हैं। जिस अस्पताल के दुर्लभतम ऑपरेशन और इलाज की मिसाल पूरे देश में है। उस अस्पताल में रविवार देर रात को ऐसी आग भड़की कि आठ मरीजों की जान चली गई। मृतकों में कोई जयपुर का निवासी था तो कोई भरतपुर का। कोई सवाई माधोपुर से इलाज के लिए आया तो कोई आगरा। बेहतर इलाज के लिए आए लेकिन एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में लगी आग ने मौत की नींद सुला दिया।

छुट्टी मिलने वाली थी लेकिन मौत मिल गई

इस अग्निकांड में जयपुर निवासी पिंटू गुर्जर की भी मौत हो गई। पिंटू की उम्र करीब 24-25 साल थी। कुछ दिनों पहले एक एक्सीडेंट में पिंटू के सिर में चोट लग गई थी। डॉक्टरों ने

ऑपरेशन के लिए कहा। ऑपरेशन सफलतापूर्वक हो चुका था। पिंटू के भाई ओमप्रकाश गुर्जर ने बताया कि डॉक्टर दो तीन दिन बाद छुट्टी देने वाले थे क्योंकि पिंटू की तबियत काफी ठीक हो चुकी थी। अस्पताल से छुट्टी मिलने वाली थी लेकिन रविवार रात को मौत मिल गई। भाई को हंसते हुए घर ले जाना था लेकिन अब रोते हुए लाश ले जानी पड़ रही है। ओमप्रकाश गुर्जर का कहना है कि देर रात को जब अचानक वार्ड में धुंआ फैला तो बिजली गुल हो गई। एक दूसरे को देखना भी मुश्किल हो गया था। सभी लोग चिल्लाने लगे और दम घुटने लगा। कुछ समझ पाते उससे पहले ही कई लोग अफरा तफरी में दीवार और बेड से टकराते रहे। स्टाफ भाग चुका था। ओमप्रकाश ने रुंधे गले से बताया कि ट्रोमा सेंटर में भगदड़ सी मच गई थी। घुप अंधेरे में कुछ मरीज बाहर निकलने में कामयाब रहे लेकिन पिंटू को बाहर नहीं निकाला जा सका। देर रात को आग बुझने के बाद ओमप्रकाश ने अपने हाथों से अपने भाई की डेड बॉडी वार्ड से बाहर निकाली।

आगरा से अच्छे इलाज की उम्मीद में आए, लाश ले जानी पड़ी

न्यूरो सर्जरी आईसीयू नंबर एक में आगरा निवासी सर्वेश देवी भी भर्ती थी। 50 वर्षीय सर्वेश देवी कुछ दिनों पहले हुए एक एक्सीडेंट में घायल हो गई थी। उसके सिर में चोट लगी। सर्वेश के भतीजे रमाकांत का कहना है कि लोगों ने उन्हें कहा था कि जयपुर के एसएमएस अस्पताल में बेहतर इलाज होता है। अच्छे इलाज की उम्मीद लेकर चार दिन पहले आगरा से जयपुर आए थे। सर्वेश का ऑपरेशन होना था लेकिन रविवार की काली रात को लगी भयावह आग में सर्वेश की भी दम घुटने से मौत हो गई।

चिंगारी उठी तो स्टाफ को बताया लेकिन उन्होंने गंभीरता से नहीं लिया

मृतक पिंटू के भाई ओमप्रकाश गुर्जर और सर्वेश के भतीजे रमाकांत का कहना है कि जब छोटी छोटी चिंगारियां निकल रही थी। तब स्टाफ को जानकारी दी थी। स्टाफ ने बोला कि कुछ नहीं होगा। ऐसा बोलते हुए स्टाफ ने एग्जॉस्ट फेन चला दिया और बोले कि मामूली चिंगारी थी, बुझ जाएगी। इसके करीब 20 मिनट बाद आग तेजी से फैली तो स्टाफ के सदस्य भागने लगे। बिजली गुल होने से अंधेरा छा गया और वार्ड में इतना धुंआ भर गया कि मरीजों का दम घुटने लगा। वार्ड में कुल 11 मरीज भर्ती थे जिसमें से 8 की मौत हो गई जबकि तीन की हालत गंभीर है। आग आसपास के वार्डों तक भी पहुंची। अन्य वार्ड में भर्ती तीन मरीज भी दम घुटने से बेहोश हो गए जिनका इलाज चल रहा है।

ट्रक ने तीन भाई-बहन को मारी टक्कर, एक की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाड़मेर

स्कूल से घर जा रहे तीन सगे भाई- बहन को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में एक भाई की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं गंभीर घायल दूसरे भाई को जोधपुर और बहन को इलाज के लिए बाड़मेर रेफर किया गया है। हादसा बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना थाना इलाके में बाछड़ाऊ-बामणोर गांव रोड शाम करीब 5 बजे हुआ। सूचना पर धोरीमन्ना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ड्राइवर को पकड़ लिया है हैड कॉन्स्टेबल वीरम खान ने बताया- बाछड़ाऊ निवासी भभूताराम (17) पुत्र भोमाराम, उसका भाई जूंजाराम (10) और बहन ममता (13) तीनों एक ही सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं। शाम को स्कूल की छुट्टी के बाद तीनों पैदल-पैदल घर की तरफ जा रहे थे। इस दौरान बाछड़ाऊ-बामणोर गांव रोड पर एक ट्रक ने तीनों को टक्कर मार दी। इससे भभूताराम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसके छोटे भाई जूंजाराम व बहन ममता दोनों गंभीर घायल हो गए। घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद बाड़मेर हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया, जहां से भाई को जोधपुर रेफर किया गया है। मृतकों के चाचा मानाराम पुत्र खेताराम की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले में आरोपी ट्रक ड्राइवर को पकड़ लिया है। ट्रक को जब्त कर लिया है। पोस्टमॉर्टम के बाद मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया गया। हादसे की जांच जारी है।

पाली में युवक पर फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार, सीने पर मारी थी गोली

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पाली

पाली में एक युवक को रविवार रात को कुछ युवकों ने घेर कर फायर कर दिया। जिससे वह गंभीर घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जोधपुर रेफर किया गया। पुलिस ने जिलेभर में आरोपियों की तलाश में नाकाबंदी करवाई गई। घटना के 24 घंटे के भीतर पुष्पेन्द्र सिंह को गोली मारने के आरोपी सिरोही जिले के बड़गांव (शिवगंज) निवासी राजवर्धनसिंह उर्फ राजवीर सिंह(21) पुत्र कालू सिंह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध पिस्टल और बुलेट का खाली के बरामद किया। आरोपी ने गोली क्यों मारी, इसको लेकर पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है। बाली चैनसिंह महेचा ने बताया कि घटना सुमेरपुर के सदर थाना क्षेत्र के सलोदरिया गांव में रविवार रात को हुई। गोली लगने से पाली जिले के आमलिया (नाना) गांव निवासी बंटी (25) उर्फ पुष्पेंद्र सिंह नाम का युवक घायल हो गया। वह अपने ननिहाल सेदरिया गांव आया हुआ था। रविवार रात को कुछ लोगों ने हमला कर दिया। गोली लगने से वह घायल हो गया था। पुष्पेन्द्र बाइक पर अपने दोस्त राजवीर के साथ सलोदरिया से शिवगंज की तरफ जा रहा था। इस दौरान कार में कुछ युवक उतरे। उन्होंने नकाब पहन रखा था। इनमें से एक ने गोली चलाई, जो सीधे पुष्पेन्द्र के सीने में लगी। वह गंभीर घायल हो गया। आरोपी वहां से फरार हो गए थे। आशंका है कि रंजिश के चलते पुष्पेन्द्र पर आरोपियों ने हमला किया था। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

एनएसयूआई ने ब्यावर में किया मुख्यमंत्री का पुतला दहन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा ब्यावर

ब्यावर में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पुतला फूंका। यह प्रदर्शन एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ और अन्य पदाधिकारियों की गिरफ्तारी के विरोध में किया गया। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए जाखड़ व उनके साथियों की तत्काल रिहाई की मांग की। विरोध प्रदर्शन चांग गैट, ब्यावर से शुरू हुआ। इसमें एनएसयूआई के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने "तानाशाही सरकार मुर्दाबाद" और "विनोद जाखड़ को रिहा करो" जैसे नारे लगाए, जिससे प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हुए। इस प्रदर्शन में एनएसयूआई जिला अध्यक्ष जयदीप सिंह रावत, प्रदेश नेत्री गंगा रावत, महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव एडवोकेट सुलक्षणा शर्मा, युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव भुवनेश शर्मा, जिला प्रवक्ता ऋषि लांबा, हिमांशु शर्मा, राजपाल गहलोत, नरेंद्र बोहरा, गौरव फुलवारी, दरियाव काटात, निजामुद्दीन काटात, रवि प्रकाश देवासी, अजित काटात, अजाज लम्बिया, विकास चौहान, प्रिंस शर्मा, इशु राठौर, नफीक कुरैशी, राहुल देवासी, अजहर, अरबाज, भगवान खटीक, राहुल खोरवाल, धीरज सोलंकी, राकेश देवासी, प्रदीप मेघवाल, नेमाराम मेहरा, हितेश पडियार और मुकेश तिगाया सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे। प्रदर्शन के समापन पर एनएसयूआई नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक विनोद जाखड़ और उनके साथियों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक उनका यह आंदोलन जारी रहेगा।

मंत्री के सामने भाजपाइयों ने कांग्रेस कार्यकर्ता को पीटा, काले झंडे लेकर पहुंचा था

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

उदयपुर में मंत्री झाबर सिंह खर्रा के सामने काले झंडे लेकर पहुंचे यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता को भाजपाइयों ने पीट दिया। मामला बिगड़ता देख पुलिस ने यूथ कांग्रेस के युवाओं को अपनी कस्टडी में ले लिया। दरअसल, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा सोमवार रात करीब 8 बजे शहर के भुवाणा चौराहा से प्रताप नगर चौराहा तक डेकोरेटिव पोल और स्ट्रीट लाइट का लोकार्पण करने आए थे। इसी दौरान विवाद हो गया। लोकार्पण के बाद जब मंत्री खर्रा अपनी गाड़ी की तरफ जा रहे थे। इस बीच सामने से यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अरमान जैन पहुंचे। अरमान ने कहा- मंत्री जी मुझे आपसे बात करनी है। ये ठीक नहीं कर रहे हैं। अरमान के हाथ में काले झंडे थे। यह देख भाजपा कार्यकर्ताओं ने तत्काल अरमान जैन के हाथ से काला झंडा छीन लिया। अरमान को मंत्री खर्रा से दूर करते हुए हाथापाई शुरू कर दी। इसी दौरान वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने अरमान जैन को छुड़ाया। इसके बाद में यूथ कांग्रेस के नेता और दो कार्यकर्ताओं ने मंत्री खर्रा मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस पर पुलिस ने अरमान और दो अन्य युवाओं को पकड़ कर गाड़ी में बैठा लिया। झाबर सिंह खर्रा ने कहा- हम तो गांव में पैदा हुए हैं। हमने बहुत कालिख देखी है। हमको काले झंडे का कोई असर नहीं होता है। हां कोई शा?लीनता से सकारात्मक तरीके से बात हमारे तक पहुंचाता है, उसको सुनते और शत प्रतिशत समाधान करते हैं। कोई अनावश्यक हुल्लड़ करके हम पर किसी

प्रकार का दबाव बनाना चाहे तो हम न आज बर्दाश्त करते हैं। न पहले करते और न आगे करेंगे। इस दौरान राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा सहित यूडीए के कई अधिकारी मौजूद थे। यूथ कांग्रेस में राष्ट्रीय सचिव अरमान जैन ने कहा- जिन अधिकारियों से गलती हुई है। उन पर कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन इन लोगों ने हमारी बात सुनने की बजाय हमारे साथ हाथापाई की है। शहीदों का अपमान किया है। इसका नामकरण शहीद अभिनव नागौरी पर करने की बात करने आए थे। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ ने कहा- अच्छा कार्यक्रम हो रहा था। मंत्री तक कई अन्य लोगों ने भी अपनी बात रखी और ज्ञापन दिए। इस तरह से कोई आकर माहौल खराब करके कार्यक्रम खराब करता है, यह ठीक नहीं है। अपनी बात रखने के लिए शालीनता से बात की जा सकती थी। राठौड़ ने पुलिस की टीम को भी कहा कि लोग काले झंडे लेकर आ गए और पुलिस को भनक तक नहीं लगी।

कोटा में चंबल नदी से युवक का शव मिला, कई महीनों से डिप्रेशन में चल रहा था

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

कोटा के कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब चंबल रिवर फ्रंट के शौर्य घाट पर युवक का शव नजर आया। जिसकी सूचना मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को दी। जिसके बाद कुन्हाड़ी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नदी से बाहर निकवाया। पुलिस ने एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में शव रखवा दिया है। मृतक की पहचान 32 वर्षीय ईशान भटनागर कैथुनी पोल निवासी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, ईशान कई महीनों से डिप्रेशन में चल रहा था और नौकरी न मिलने से तनावग्रस्त था। कुन्हाड़ी थाना एसआई भंवरलाल ने बताया कि रविवार शाम से ही युवक अपने घर से गायब था। आज चंबल नदी में उसका शव मिला। मृतक युवक के पिता ने पहचान की हैं। फिलहाल शव को एमबीएस अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया है। मंगलवार को परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। फिलहाल पुलिस ने मामले में सुसाइड के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पावर बाइक से दिनदहाड़े करते थे चेन स्नैचिंग, हिरणमगरी थाना पुलिस ने 6 आरोपी पकड़े

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

उदयपुर की हिरण मगरी थाना? पुलिस ने शहर में दिन-दहाड़े पावर बाइक से चेन स्नेचिंग करने वाली गैंग के 6 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन्हें बड़ी ज्वेलर्स की दुकान में डकैती की योजना बनाते हुए गिरफ्तार किया। साथ ही एक नाबालिग को डिटेन किया है। एसपी योगेश गोयल ने बताया कि इनमें आरोपी भैरूलाल मीणा निवासी छोटी उंदरी पूर्व में एटीएम स्ट्रांग रूम तोड़ने के प्रयास में वांछित था। इसके खिलाफ 6 मामले दर्ज हैं। आरोपी गोविंद पिता कालूलाल के खिलाफ लूट, आर्म्स एक्ट आदि के 11 मामले और आरोपी सुनील सिंह पिता बहादुर सिंह के खिलाफ 6 मामले दर्ज हैं। इसी तरह आरोपी जितेन्द्र मीणा पिता शिवाजी के खिलाफ 9 मामले और आरोपी सुनील मीणा पिता बद्रीलाल के खिलाफ 2 मामले पूर्व में दर्ज हैं। खुलासे में हेड कांस्टेबल राजेन्द्र सिंह, भगवतीलाल और कांस्टेबल राजकुमार जाखड़ की विशेष भूमिका रही। एसपी

गोयल ने बताया कि शहर में लगातार स्कूटी सवार व पैदल चलने वाली महिलाओं से चेन स्नैचिंग की वारदातें सामने आने पर हिरणमगरी थाना पुलिस की विशेष टीम 'टारगेट' बनाई। इसमें हेड कांस्टेबल भगवतीलाल, राजेन्द्र सिंह, कांस्टेबल राजकुमार जाखड़, नंदकिशोर, किरेन्द्र और हेमेन्द्र शामिल थे। सादा ड्रेस में पावर बाइक लेकर चेन छीनने की संभावित स्थानों पर निगरानी की। अलग-अलग क्षेत्र में घटना स्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज चेक किए और 100 से ज्यादा बाइक सवार युवकों को डिटेन कर पूछताछ की। थानाधिकारी भरत योगी ने बताया कि घटनाओं में आरोपियों का पेशेवर तरीका सामने आया। वारदात कर नवरात्र में माताजी के मंदिरों में जाकर छिप जाते। टीम ने आरोपियों का पीछा किया। शातिर होने से बार-बार अपनी बाइक बदलते और कपड़े व हुलिया भी बदल लेते थे। मेले-मंदिरों में भीड़भाड़ में छिप जाते। तभी पुलिस को पीछा करते हुए एक टूटी नंबर प्लेट वाली केटीएम बाइक का पता सुराग लगा। जिसके बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची।

भरतपुर में ट्रक ने कार को 20 मीटर तक घसीटा, ड्राइवर ट्रक छोड़कर भागा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भरतपुर

भरतपुर शहर के अटलबन्द थाना इलाके में एक ट्रक और एक कार आपस में भिड़ गए। कार में तीन युवक सवार थे, जिन्होंने शराब पी हुई थी। घटना के बाद ट्रक का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। वहीं तीनों युवक नशे में थे, जो वहीं खड़े रहे। घटना के बाद आगरा- जयपुर नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। पुलिस ने कार सवार तीनों युवकों को हिरासत में ले लिया है। अटलबन्द थाने के हरीश चंद ने बताया कि घटना शीशम तिराहे की है। एक ट्रक ने एक कार को टक्कर मारी है। कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। कार और ट्रक को जब्त कर लिया गया है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि कार काफी स्पीड में थी। कार में तीन युवक सवार थे। उन्होंने ट्रक के सामने से काफी स्पीड में कार को निकालने की कोशिश की, लेकिन कार नहीं निकल पाई। दूसरी तरफ से ट्रक भी काफी स्पीड में था। ट्रक सीधा कार में जा घुसा। ड्राइवर ने ट्रक के काफी ब्रेक मारे। जैसे ही कार डिवाइडर से लगी तो, कार और ट्रक रुक गए। ट्रक ने कार को करीब 20 मीटर तक घसीटा। गनीमत यह रही कि, इतनी बड़ी घटना में कोई घायल नहीं हुआ। कार ड्राइवर समेत तीनों युवक नशे में थे। घटना के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को दी। पुलिस ने तीनों युवकों को हिरासत में ले लिया। साथ ही ट्रक और कार को जब्त कर लिया।

एनएसयूआई ने हनुमानगढ़ में किया पुतला फूंक प्रदर्शन

प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ की रिहाई की मांग, पुलिस पर दबाव का आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हनुमानगढ़

हनुमानगढ़ जिला मुख्यालय पर सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने जिलाध्यक्ष रोहित जावा के नेतृत्व में पुतला फूंक प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम के विरोध और एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ व उनके साथियों की गिरफ्तारी के खिलाफ किया गया। कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष रोहित जावा ने बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय में 30 सितंबर को शस्त्र पूजन का कार्यक्रम घोषित किया गया था, जो शिक्षण संस्थानों की मूल

भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान, अध्ययन और शोध का केंद्र है, न कि धार्मिक या राजनीतिक विचारधारा के प्रचार का स्थल। एनएसयूआई ने इस कार्यक्रम का शांतिपूर्ण विरोध किया था। जावा ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा के दबाव में आकर राजस्थान पुलिस ने एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ सहित कई छात्रों पर बेबुनियाद और गंभीर धाराएं लगाकर उन्हें केंद्रीय जेल में बंद कर दिया है। उन्होंने इसे छात्रों की आवाज दबाने का असंवैधानिक प्रयास बताया। एनएसयूआई ने गिरफ्तार नेताओं और कार्यकर्ताओं की तत्काल रिहाई की मांग की। जावा ने चेतावनी दी कि यदि उन्हें शीघ्र रिहा नहीं किया गया, तो एनएसयूआई पूरे प्रदेश में आंदोलन को और तेज करेगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। इस अवसर पर पीलीबंगा विधायक विनोद गोठवाल ने कहा कि राजस्थान में शिक्षा संस्थानों को राजनीतिक लैब बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस विश्वविद्यालयों में अपना एजेंडा थोपने का प्रयास कर रहे हैं। पीसीसी सदस्य प्रेम राज नायक और पीसीसी सचिव मनीष गोदारा ने कहा कि विनोद जाखड़ जैसे छात्र नेता पर झूठे मुकदमे लगाना सरकार की बौखलाहट का परिणाम है। उन्होंने पुलिस की निष्पक्ष कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देने की बात कही।

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु का इस्तीफा, एक महीने से भी कम समय का रहा कार्यकाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पेरिस

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु ने सोमवार को पीएम पद से इस्तीफा दे दिया। सेबेस्टियन लेकोर्नु का बतौर प्रधानमंत्री कार्यकाल एक महीने से भी कम समय का रहा। इसके साथ ही साल 1958 के बाद सेबेस्टियन लेकोर्नु फ्रांस के सबसे कम समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले नेता बन गए हैं। फ्रांस के प्रधानमंत्री का नियुक्ति के कुछ हफ्ते बाद ही इस्तीफा देना, फ्रांस की राजनीति में गहरे संकट का संकेत दे रहा है। लेकोर्नु को 9 सितंबर को प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त किया गया था। लेकोर्नु को अपने मंत्रिमंडल की घोषणा के बाद ही उनकी अपनी पार्टी और विपक्षी खेमे की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। दरअसल लेकोर्नु के मंत्रिमंडल में 18 नामों में से 12 नाम पिछली सरकार में शामिल नेताओं के थे, जिसके बाद लेकोर्नु की आलोचना शुरू हो गई। लेकोर्नु को मंगलवार को अपनी सरकार का रोडमैप बताने के लिए नेशनल असेंबली को संबोधित करना था, लेकिन उससे पहले ही उनका इस्तीफा हो गया। लेकोर्नु के इस्तीफे से फ्रांस में राजनीतिक संकट गहरा गया है और राष्ट्रपति मैक्रों पर भी दबाव बढ़ गया है। मैक्रों अब तक तीन असफल अल्पमत सरकारों का नेतृत्व कर चुके हैं। लेकोर्नु को फ्रांस के बढ़ते घाटे को कम करने के लिए संसद में एक संतुलित बजट पारित कराने का राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण काम सौंपा गया था।2024 में फ्रांस का घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.8' और कर्ज 113' था। यह यूरोपीय संघ के नियमों से काफी ज्यादा हैं। यूरोपीय संघ के देश घाटे को 3 प्रतिशत तक सीमित रखते हैं। दक्षिणपंथी नेशनल रैली (रह) के नेता जॉर्डन बार्डेला ने पार्टी मुख्यालय में मरीन ले पेन के साथ मीडिया से बात करते हुए संसदीय चुनावों में शीघ्रता का आह्वान किया। राष्ट्रपति खेमे के भीतर भी असंतोष बढ़ रहा था।

7.4 करोड़ लोग चुनेंगे नई सरकार, पांच साल में महिलाओं के मुकाबले तीन गुना बढ़े पुरुष मतदाता

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

इस बार के बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 7 करोड़ 41 लाख मतदाता वोट डालने के लिए पंजीकृत हैं। यह आकड़े आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद जारी किए गए थे। एसआईआर के बाद राज्य में मतदाताओं की संख्या में करीब 41 लाख की कमी आई है। वहीं, 2020 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार पांच लाख से ज्यादा नए मतदाता वोट डालेंगे। आगमी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बिहार में चुनाव आयोग के द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर करवाया गया। इसमें नए सिरे से बिहार में मतदाताओं की गणना की गई। यह प्रक्रिया जून से शुरू हुई थी जिसकी अंतिम सूची 30 सितंबर को आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई। 30 सितंबर 2025 को आई इस सूची के अनुसार बिहार में कुल 7,41,92,357 मतदाता पंजीकृत है। 2020 में यह आकड़ा 7,36,47,660 था। यानी, 2020 के मुकाबले इस बार चुनाव में 5,44,697 मतदाताओं का इजाफा हुआ है। हालांकि, एसआईआर के बाद राज्य में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में 47,77,487 कमी आई है। 2025 के विधानसभा चुनाव में 3,92,07,804 पुरुष मतदाता वोट डालने के लिए पात्र हैं। 2020 में यह आंकड़ा 3,87,89,388 था। पिछले चुनाव के मुकाबले पुरुष मतदाताओं की संख्या में 4,18,416 का इजाफा हुआ है। महिला मातदाताओं की बात करें तो इस बार के चुनाव में कुल 3,49,82,828 महिला मतदाता वोट डालने के लिए पंजीकृत हैं। 2020 में इनकी संख्या 3,48,55,815 थी। पांच साल में महिला मतदाताओं की संख्या में 1,27,013 का इजाफा हुआ है। इसके अलावा इस चुनाव में 1,725 अन्य मतदाता भी वोट डालने के लिए पंजीकृत हैं। 2020 में इनकी संख्या 2,457 थी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में 18-19 आयु वर्ग के 14,01,150 युवा मतदाता हैं। वहीं, दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 7,20,709 है। एसआईआर से पहले बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या 7,89,69,844 थी। एसआईआर के बाद 47,77,487 मतदाताओं को हटाया गया। आयोग ने बताया कि 22,34,136 मतदाताओं का मौत हो चुकी है। 6,85,000 मतदाता एक से ज्यादा बार दर्ज थे। 36,44,939 मतदाता स्थाई रूप से बिहार से बाहर चले गए। एसआईआर में दावे आपत्ति के बाद 3,66,742 मतदाता घटे हैं

'खुदी को कर बुलंद इतना...', मलयेशिया दौरे पर पाकिस्तानी पीएम ने कराई किरकिरी, करते दिखे 'मुशायरा'

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मनीला

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मलयेशिया के आधिकारिक दौरे पर हैं। सोमवार को पाकिस्तानी पीएम ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान, मलयेशिया के साथ साझा हितों वाले प्रोजेक्ट्स पर सहयोग करना चाहता है। हालांकि मलयेशियाई पीएम के साथ साझा बयान जारी करते समय शहबाज शरीफ कुछ ऐसा कर गए, जिसके लिए उनकी आलोचना हो रही है।

दरअसल साझा बयान में शहबाज शरीफ शेर सुनाते नजर आए और उन्होंने संयुक्त बयान जैसे गंभीर इवेंट को भी मुशायरे में तब्दील कर दिया। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 5 अक्तूबर से 7 अक्तूबर तक मलयेशिया के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरे पर रविवार को पाकिस्तानी पीएम ने मलयेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त साझा बयान जारी किया। इस दौरान पाकिस्तानी पीएम ने अल्लामा इकबाल का एक शेर सुनाया, जिसमें उन्होंने कहा कि 'खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले खुद बंदे से खुद पूछे बता तेरी रजा क्या है...'।

कोल्ड्रिफ की घूंट से एक-एक कर थमीं सांसें और डॉक्टर लिखते रहे जहर का डोज, अब कंपनी का 'कफ' निकालेगी सरकार?

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भोपाल

कोल्ड्रिफ कफ सिरप की घूंट से मध्य प्रदेश में 14 माताओं की गोदें सूनी कर दी है। जिनके उछल कूद घरों में रौनक रहती थी, वहां सिर्फ चीत्कार है। सरकार की कान परिवार की चीत्कार पहुंची तो जिले में कार्रवाई शुरू हुई। पहले कोल्ड्रिफ कफ सिरप को बैन किया गया है। साथ ही स्टॉक को सील किया गया है। वहीं, अपने पर्चे पर जहर का डोज लिखने वाले डॉक्टर प्रवीण सोनी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रशासन ने इसे बनाने वाली कंपनी के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की है। इसके बावजूद यह सवाल उठ रहे हैं कि इसके लिए सिर्फ डॉक्टर ही जिम्मेदार क्यों। बनाने वाली कंपनी से लेकर इसे मंजूरी देने वाले विभाग के संबंधित अधिकारी क्यों नहीं जिम्मेदार हैं, जिन्होंने इस जहर को बाजार में बिकने की मंजूरी दी है। भारत में बने कफ सिरप पर विदेशों में भी सवाल उठते रहे हैं। साथ ही कई जगहों पर इसे प्रतिबंधित भी किया गया है। मध्य प्रदेश में शिकायत मिलने के 45 दिनों बाद सरकार ने एफआईआर की है। बीते कुछ दिनों में मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ सिरप पीने से 14 बच्चों की मौत हो गई है। कफ और खांसी

से परेशान इनमें से अधिकांश बच्चों का इलाज डॉ प्रवीण सोनी के पास हुआ। वह छिंदवाड़ा जिला अस्पताल में शिशु रोग विशेषज्ञ हैं। साथ ही प्राइवेट क्लिनिक भी चलाते हैं। बताया जा रहा है कि डॉ प्रवीण सोनी ने ही अपने पर्चे पर बच्चों को लिए कोल्ड्रिफ सिरप लिखा था। इसके पीने के बाद बच्चों के किडनी फेल होने लगे। एक-एक कर 14 बच्चों की मौत अब तक हो गई है। अभी तक की जानकारी के अनुसार कोल्ड्रिफ सिरप पीने से चौदह बच्चों की मौत हुई है। इनमें अतिया खान-परसिया ब्लॉक,सत्या श्यामलाल पवार- चौराई ब्लॉक, पूर्वी नितेश- सौसर ब्लॉक, शिवम राठौर-परसिया ब्लॉक, उसैद खान- परसिया ब्लॉक, रिसिका पिपरे- परसिया ब्लॉक, योजिता ठाकरे-परसिया ब्लॉक, चंचलेश यदुवंशी-परसिया ब्लॉक, अदनान खान- परसिया ब्लॉक, विकास यदुवंशी- परसिया ब्लॉक, विधि डेहरिया-परसिया ब्लॉक, सैयद अली- छिंदवाड़ा ब्लॉक,दिव्यांशु उईके-परसिया, संध्या बोसम-परसिया ब्लॉक और हितांश सोनी है। बच्चों की मौत के बाद सरकार हरकत में आई है।

तमिलनाडु की कंपनी बनाती है कोल्ड्रिफ

श्रीसन कंपनी कोल्ड्रिफ सिरप को बनाती है। बच्चों की मौत के बाद कंपनी सवालों के घेरे में है। इस कंपनी की शुरुआत 1990 में हुई थी। कंपनी मालिक का नाम रंगनाथन गोविंदराजन था। कंपनी रजिस्टर्ड श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के नाम से है।

सैंपल में मिले जहरीले रसायन

वहीं, कोल्ड्रिफ सिरप की जांच में जहरीले रसायन मिले हैं। सैंपल में 48.6 फीसदी डायथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया है। यह एक जहरीला रसायन है। रिपोर्ट आने के बाद मध्य प्रदेश में इसकी बिक्री और भंडारण पर रोक लगा दी गई है। साथ ही कई अन्य राज्य सरकारों ने भी यह कदम उठाया है।

कमीशन का है खेला

दरअसल, दवा मार्केट में कमीशन का बड़ा खेल है। कथित तौर पर डॉक्टर निजी कंपनियों की दवाई कमीशन और तोहफे के लालच में लिखते हैं। कंपनियों के प्रतिनिधि डॉक्टरों से मिलते हैं और उन्हें ऑफर देते हैं। इसके बाद डॉक्टर अपने पर्चे पर इस दवा को लिखते हैं। वहीं, अधिकृत फॉर्मेसी दुकानों पर भी इन दवाओं की बिक्री होती है। ऐसे में सवाल है कि बच्चों की मौत की जिम्मेदारी सिर्फ डॉक्टर के ऊपर ही क्यों? किसी भी दवा निर्माण में सबसे अहम भूमिका उस कंपनी की होती है, जो इसे बनाती है। इसके बाद की जिम्मेदारी केंद्र और राज्य की औषधि नियंत्रण प्राधिकरण की होती है। जहां से दवाओं को मंजूरी मिलती है। इसके साथ ही सरकारी आपूर्ति तंत्र की भी जिम्मेदारी बनती है। गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली ने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया।

जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर जानलेवा हमला, अमित मालवीय ने टीएमसी पर लगाया आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जलपाईगुड़ी

पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर जानलेवा हमला किया है। वहीं इसे लेकर भाजपा नेता अमित मालवीय ने टीएमसी पर आरोप है, एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा- बंगाल में टीएमसी का जंगलराज! उत्तरी मालदा से दो बार सांसद रहे और एक सम्मानित आदिवासी नेता, भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर टीएमसी के गुंडों ने उस समय हमला किया जब वे जलपाईगुड़ी के दुआर्स क्षेत्र के नागराकाटा में विनाशकारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत और बचाव कार्यों में मदद करने जा रहे थे। अमित मालवीय ने अपने पोस्ट में आगे लिखा- जब ममता बनर्जी अपने कोलकाता कार्निवल में नाच रही थीं, तब टीएमसी और राज्य प्रशासन गायब था। जो लोग वास्तव में लोगों की मदद कर रहे थे, भाजपा नेता और कार्यकर्ता, उन पर राहत कार्य करने के लिए हमला किया जा रहा है। यह टीएमसी का बंगाल है, जहां क्रूरता का बोलबाला है और दया की सजा। वहीं पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इस घटना को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा- ममता बनर्जी पूरी तरह से दहशत में हैं। उन्हें (काफी देर से) एहसास हुआ है कि पश्चिम बंगाल की जनता ने उनके 'सेलिब्रिटीज के साथ कार्निवल में नाचने' के अमानवीय कृत्य को उस समय नफरत की नजर से देखा है जब उत्तर बंगाल

बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहा था, जिसमें कई लोगों की जान चली गई और हजारों लोग बेघर हो गए। इसके विपरीत, बंगाल भाजपा के विधायक और सांसद प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जमीनी स्तर पर अपना योगदान दे रहे थे। इसलिए, अब उन्होंने दहशत का बटन दबा दिया है और 'विशेष समुदाय' से जुड़े अपने गुंडों को भाजपा सांसदों और विधायकों पर हमला करने के लिए उकसाया है ताकि उन्हें राहत कार्य में शामिल होने से रोका जा सके। सांसद श्री खगेन मुर्मू पर आज नागराकाटा में उस समय बेरहमी से हमला किया गया और उन्हें खून से लथपथ चोटें आईं जब वे बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के साथ बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे थे। विधायक डॉ. शंकर घोष के वाहन पर भी पुलिस की मौजूदगी में हमला किया गया। ममता बनर्जी, आप भाजपा को डरा नहीं सकतीं... इसके साथ ही इस पोस्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय, गृह मंत्री कार्यालय, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को टैग भी किया है। इस घटना पर पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने भी एक्स पर पोस्ट कर लिखा- आज नागराकाटा में सांसद खगेन मुर्मू पर तृणमूल के उपद्रवियों ने हमला कर दिया।

आप का आरोप- गोवा की सड़कें बेहद खराब, मुख्यमंत्री को भेजे गए एक लाख शिकायत पत्र

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पणजी

आम आदमी पार्टी (आप) और इसके संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को गोवा सरकार पर सड़कों की अनदेखी का आरोप लगाया। आप ने खराब सड़कों का मुद्दा उठाते हुए राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को एक लाख शिकायत पत्र भेजे। इन चिट्ठियों में गोवा के नागरिकों के हस्ताक्षर होने का दावा किया गया है। इनमें सड़कों की दुर्दशा पर नाराजगी जताई गई है। गोवा दौरे के अंतिम दिन केजरीवाल ने पार्टी कार्यालय के सामने एक टेंपो को झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें ये सभी पत्र रखे गए थे। यह टेंपो मुख्यमंत्री सावंत के निवास की ओर भेजा गया, ताकि पत्र उन्हें सौंपे जा सकें। पत्रकारों से बातचीत में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, "मुझे हमेशा बताया गया था कि गोवा की सड़कें खराब हैं, लेकिन अब मैंने खुद इस स्थिति का अनुभव किया है।" उन्होंने बताया कि अपनी यात्रा के पहले ही दिन उन्हें एक कार्यक्रम में पहुंचने में डेढ़ घंटे की देरी हुई क्योंकि गड्ढों से भरी सड़कों से बचने के लिए उन्हें लंबा रास्ता लेना पड़ा। केजरीवाल ने कहा कि गोवा में खराब सड़कों के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने भाजपा चे बुरक नाम से अभियान चलाया था। इस अभियान के तहत पार्टी को राज्य के एक लाख परिवारों से हस्ताक्षर मिलने का दावा किया गया है। उन्होंने कहा, "गोवा में साढ़े तीन लाख परिवार हैं, जिनमें से एक लाख ने इस अभियान पर हस्ताक्षर किए। यानी राज्य की एक-तिहाई आबादी ने इस मुद्दे पर आवाज उठाई है।" आप नेताओं ने बताया कि सभी पत्र मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के निवास पर जाकर उन्हें व्यक्तिगत रूप से सौंपे जाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि यह कदम गोवा की जनता की आवाज को सीधे सरकार तक पहुंचाने का प्रयास है। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी, गोवा आप अध्यक्ष अमित पालेकर, और विधायक वेंजी वीगास व क्रूज सिल्वा भी मौजूद थे।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदले जाने की खबरों पर गृह मंत्री की दो टूक, कहा- सिद्धारमैया ही रहेंगे सीएम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बंगलूरू

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को साफ कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया खुद यह साफ कर चुके हैं कि वे पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। परमेश्वर ने कहा, 'सरकार या कांग्रेस पार्टी के अंदर कोई भ्रम नहीं है। मुख्यमंत्री ने खुद कहा है कि वे पांच साल तक पद पर रहेंगे। जब उन्होंने खुद जिम्मेदारी के साथ यह बात कही है, तो मामला वहीं खत्म हो जाता है।' उन्होंने मीडिया पर हल्के अंदाज में तंज करते हुए कहा कि अगर मीडिया इस मुद्दे पर चुप रहे, तो 'सब कुछ ठीक रहेगा।' उन्होंने कहा, 'कुछ लोग अपनी राय रख सकते हैं या कुछ बयान दे सकते हैं, लेकिन बात को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने की जरूरत नहीं है। मीडिया इस पर ध्यान देता है, इसलिए मामला बड़ा दिखता है।' पिछले कुछ समय से कर्नाटक की राजनीति में यह चर्चा गर्म थी कि मुख्यमंत्री पद पर बदलाव हो सकता है। कहा जा रहा था कि कांग्रेस ने सत्ता संभालते समय एक 'पावर-शेयरिंग फॉर्मूला' बनाया था, जिसके तहत 2.5 साल बाद डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने कभी भी इस समझौते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की। इसके बावजूद, पार्टी के कुछ नेताओं के बयानों से यह अटकलें और तेज हो गईं। पिछले हफ्ते, कांग्रेस विधायक एचडी रंगनाथ और पूर्व सांसद एलआर शिवरामे गौड़ा ने फिर कहा था कि नवंबर में डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बन सकते हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इन अटकलों पर हाल ही में प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वे 'पूरा पांच साल कार्यकाल पूरा करेंगे।' उन्होंने कहा था कि उनका यह दूसरा कार्यकाल है और अब तक उन्होंने 2.5 साल पूरे किए हैं। आगे के 2.5 साल भी वे ही मुख्यमंत्री रहेंगे। बता दें कि मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को भारी जीत मिली थी। उस समय मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया और डी. के. शिवकुमार के बीच कड़ा मुकाबला था।

इम्यून सिस्टम को बेहतर तरीके से समझने की खोज, इन तीन वैज्ञानिकों को चिकित्सा का नोबेल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

शरीर की शक्तिशाली प्रतिरक्षा प्रणाली को नियंत्रित करना आवश्यक है अन्यथा यह हमारे अपने अंगों पर ही हमला कर सकती है। मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रामसडेल और शिमोन साकागुची को इस संबंध में उनकी अभूतपूर्व खोजों के लिए 2025 का फिजियोलॉजी या मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार शरीर की रक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) को बेहतर समझने की खोज- पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस के लिए मिला है। इन खोजों ने अनुसंधान की नई राह खोल दी है। इससे कैंसर तथा ऑटोइम्यून रोगों के उपचारों को और प्रभावी बनाने में मदद मिल सकती है। पिछले साल का पुरस्कार अमेरिकी नागरिक विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को सूक्ष्म 'आरएनए' (राइबोन्यूक्लिक एसिड) की खोज के लिए दिया गया था। यह सम्मान 1901 से 2024 के बीच 115 बार 229 नोबेल पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किया जा चुका है। पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस एक ऐसा तरीका है जिससे शरीर अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को अनियंत्रित होने और शरीर के ही ऊतकों पर हमला करने से रोकता है। जिस खोज के लिए वैज्ञानिकों ने इस साल का नोबेल दिया गया है उसमें ये पता लगाया गया है कि नियामक टी

कोशिकाओं के रूप में जानी जाने वाली विशेष प्रतिरक्षा कोशिकाएं शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कैसे संतुलित रखती हैं? टी सेल्स, श्वेत रक्त कोशिकाओं का एक प्रकार हैं जो संक्रमणों से शरीर की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये बोन मैरो में उत्पन्न होती हैं और थाइमस ग्रंथि में परिपक्व होती हैं इसीलिए इनका यह नाम पड़ा है। प्रतिरक्षा प्रणाली कई प्रकार की टी कोशिकाएं बनाती है, जिनमें से प्रत्येक की विशिष्ट भूमिकाएं होती हैं। जहां अधिकांश टी कोशिकाएं बैक्टीरिया, वायरस और कैंसर कोशिकाओं जैसे हानिकारक आक्रमणकारियों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने वाले तंत्र की तरह काम करती हैं। वहीं नियामक टी कोशिकाएं शांतिदूतों की तरह काम करती हैं। नियामक टी कोशिकाएं प्रतिरक्षा प्रणाली को शरीर के अपने ऊतकों पर गलती से हमला करने से रोकती हैं, जिसे ऑटोइम्यून कहते हैं।

सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र को घेरा

झारखंड को बचाने के लिए डीवीसी ने एकतरफा पानी छोड़ा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि उत्तरी बंगाल में आई बाढ़ 'प्राकृतिक नहीं बल्कि मानवजनित' है। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) पर आरोप लगाया कि उसने बिना राज्य सरकार को सूचित किए बड़ी मात्रा में पानी छोड़ दिया, जिससे बंगाल के कई नदियां उफान पर आ गईं और निचले इलाकों में तबाही मच गई। सीएम ममता बनर्जी ने कहा, 'डीवीसी अपनी मर्जी से पानी छोड़ रहा है। मैथन और पंचेत बांधों की डीसिल्टिंग (गाद सफाई) नहीं होने के कारण उनकी पानी रोकने की क्षमता

काफी कम हो गई है। झारखंड में बाढ़ से बचाने के लिए डीवीसी पानी छोड़ रहा है, और उसका पूरा असर बंगाल झेल रहा है।' मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार बाढ़ और भूस्खलन में मारे गए लोगों के परिवारों को पांच लाख रुपये का मुआवजा और एक सदस्य को होमगार्ड की नौकरी देगी। उन्होंने कहा, 'अब तक हमें 23 लोगों की मौत की खबर मिली है। उत्तरी बंगाल में 12 घंटे तक लगातार बारिश हुई, जिसमें 300 मिमी से ज्यादा वर्षा रिकॉर्ड की गई।' मुख्यमंत्री ने यह बयान कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया, इससे पहले कि वे बागडोगरा के लिए रवाना हुईं ताकि खुद राहत और बचाव कार्यों की निगरानी कर सकें। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार लगातार स्थिति पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा, 'हम, पुलिस, डीजी सभी मिलकर हालात पर नजर रख रहे हैं। परसों 12 घंटे लगातार बारिश हुई। उस दिन ज्वार भी था। अगर बिहार में बारिश होती है तो पानी फरक्का से आता है, अगर उत्तर प्रदेश में होती है तो गंगा में आता है- तो यह सारा पानी आखिर जाएगा कहां? डीसिल्टेशन क्यों नहीं किया जा रहा?' मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने 45 बसें लगाई हैं ताकि उत्तरी बंगाल में फंसे पर्यटकों को सुरक्षित वापस लाया जा सके। उन्होंने कहा, 'हमने 250 लोगों के लिए सिलीगुड़ी में ठहरने की व्यवस्था की है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा